शर्मा হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 232 | गुवाहाटी | शनिवार, 28 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रसोई गैस उत्पादन में 40 फीसदी वृद्धि, कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति ... पेज 2
असम के विकास की कुंजी डबल इंजन सरकार : पबित्र मार्घेरिटा पेज 3
नागरिकों को सुरक्षित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ते प्रधानमंत्री : शेखावत पेज 5
एशिया कप तीरंदाजी : कंपाउंड में शानदार प्रदर्शन, भारत के खाते में अब... पेज 7

देश में लॉकडाउन की संभावना पूरी तरह गलत : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को देश में लॉकडाउन लगाए जाने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी कोई स्थिति नहीं है और इस पर कोई विचार भी नहीं किया जा रहा है। सरकार ने इसे अफवाह करार देते हुए लोगों से भ्रमित न होने की अपील की है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि लॉकडाउन लगाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश में कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और पेट्रोल, डीजल तथा एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें किसी वास्तविक कमी के कारण नहीं, बल्कि अफवाहों की वजह से देखी गईं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें करीब 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर से अधिक हो गई हैं, लेकिन इसके बावजूद देश में ईंधन आपूर्ति बाधित नहीं है और कीमतों को स्थिर बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। भारतीय मिशन 24 घंटे सक्रिय है और वहां मौजूद भारतीय नागरिकों, छात्रों और फंसे हुए लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उड़ानों पर प्रतिबंध के बीच वैकल्पिक मार्गों से यात्रा की व्यवस्था की जा रही है, जबकि कुछ परीक्षाएं स्थगित या रद्द की गई हैं। इसी संदर्भ में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की वैश्विक साझेदारों के साथ बातचीत लगातार जारी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए फ्रांस के दौरे पर हैं और उन्होंने इस बैठक के इतर फ्रांस, कनाडा, दक्षिण कोरिया, जापान, ब्राजील, ब्रिटेन, जर्मनी और यूक्रेन के अपने समकक्षों से मुलाकात की। जायसवाल के अनुसार इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पश्चिम एशिया के हालात पर भी चर्चा हुई। जी7 बैठक के पहले सत्र में विदेश मंत्री ने वैश्विक शासन सुधार, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार, शांति अभियानों को अधिक प्रभावी बनाने और मानवीय आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने ऊर्जा, उर्वरक और खाद्य सुरक्षा को लेकर ग्लोबल साउथ की चिंताओं को भी उठाया। दूसरे सत्र में उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न अनिश्चितताओं का जिक्र करते हुए अधिक मजबूत व्यापार गलियारों और आपूर्ति शृंखलाओं की आवश्यकता पर बल दिया। शिपिंग मंत्रालय के अनुसार खाड़ी क्षेत्र में भारतीय ध्वज वाले जहाजों या नाविकों से जुड़ी किसी भी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। बीस जहाजों पर तैनात 540 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। डीजी शिपिंग का कम्युनिकेशन सेंटर 24 घंटे सक्रिय है और अब तक कई कॉल और -शेष पृष्ठ दो पर

अगर भाजपा सत्ता में वापस आई तो *मियां* समुदाय की कमर तोड़ देंगे : मुख्यमंत्री

लखीमपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनावों में सत्ता में लौटती है तो उनकी सरकार राज्य में *मिया* समुदाय की *कमर तोड़ देगी।* लखीमपुर जिले के ढाकुआखाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार ने *राज्य के स्वदेशी लोगों* के लिए काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि और जो लोग बांग्लादेश से आकर असम की जमीन और घरों पर अतिक्रमण करने आए, हमने राजनीतिक रूप से उनके हाथ-पैर तोड़ दिए। उन्होंने आगे कहा कि इस बार हम बांग्लादेशी मियाओं की कमर तोड़ देंगे, ताकि वे असमिया लोगों को चुनौती देने की हिम्मत न कर सकें। असम में कि मिया एक अपमानजनक शब्द है जिसका प्रयोग अवैध अप्रवासियों के लिए किया जाता है और यह विशेष रूप से बंगाली मूल के मुसलमानों के लिए इस्तेमाल -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा को मिलेगी ऐतिहासिक जीत : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए आने वाले विधानसभा चुनावों में जबरदस्त जीत का अनुमान लगाया है। उन्होंने इसके लिए जनता के मजबूत समर्थन और पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों का हवाला दिया। लगातार चुनाव में जुटे डॉ. शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए आज पार्टी के जनसंपर्क अभियान को मिली प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि विजय संकल्प यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने हमें आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा को अपने पक्ष में ऐतिहासिक नतीजों की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक विरोधियों, खासकर ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट -शेष पृष्ठ दो पर

मध्य गुवाहाटी में भाजपा उम्मीदवार विजय गुप्ता ने की कई जनसभाएं, विकास और संगठन पर दिया जोर

गुवाहाटी (हि.स.)। भाजपा के गुवाहाटी मध्य विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार विजय गुप्ता ने शुक्रवार देर शाम फटाशिल स्थित जीएमसी ओल्ड कालोनी के गुरुद्वारा परिसर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की उपस्थिति देखी गई। अपने संबोधन में विजय गुप्ता ने स्वयं को भाजपा का एक सामान्य कार्यकर्ता बताते हुए पार्टी को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा *सर्वोदय* के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए *अंत्योदय* के सिद्धांत पर कार्य करती है, जिसमें समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास को प्राथमिकता दी जाती है। इसके साथ ही, दिन की -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

केंद्रीय गृह मंत्री आज आएंगे असम गुवाहाटी में होगा विशाल रोड-शो

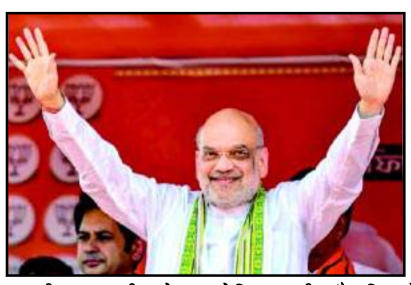

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए 28 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम आएंगे। कामरूप (मेट्रो) के भाजपा समेत मित्र गठबंधन के पांच विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के समर्थन में वह चुनाव प्रचार चलाएंगे, इसकी जानकारी प्रदेश भाजपा मुख्यालय द्वारा आज दी गयी है। चुनाव प्रचार के हिस्से के रूप में वह चुनावी सभा और एक विशाल रोड शो में भी भाग लेंगे। अमित शाह शाम को आर्य महाविद्यालय के खेल मैदान में होने वाली एक चुनावी सभा में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह आर्य क्षेत्र से लालगणेश तक एक रोड शो में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त 29 मार्च को केंद्रीय गृहमंत्री असम के कई स्थानों पर पार्टी के चुनावी प्रचार में भाग लेंगे। 29 मार्च को ढेकियाजुली और टिहू क्षेत्र की सामता में होने वाली दो चुनावी सभाओं में अमित शाह हिस्सा लेंगे। पार्टी के चुनाव प्रचार सभाओं तथा रोडशो में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सहित पार्टी के -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव से पहले पीएम मोदी का डिजिटल दांव, नमो ऐप के जरिए साधेंगे लाखों वोटर

नई दिल्ली /गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी विधानसभा चुनावों से पहले 30 मार्च को दोपहर 1 बजे नमो ऐप के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं और असम की जनता को वर्चुअल रूप से संबोधित करेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य भाजपा ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस संवादात्मक पहल में भाग लेने के लिए ऐप डाउनलोड करने और पंजीकरण करने का आह्वान किया है। आगामी असम विधानसभा चुनावों पर दृढ़ ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य भारतीय जनता पार्टी माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील और दूरदर्शी जनसंपर्क के माध्यम से जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए तैयार है। जनसभाओं में अपने जनसंपर्क अभियान को जारी रखते हुए, माननीय प्रधानमंत्री 30 मार्च को दोपहर 1:00 बजे पार्टी कार्यकर्ताओं और असम की जनता से सीधे संवाद करेंगे। इस संबंध में, राज्य भाजपा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और असम के नागरिकों से *नमो ऐप* डाउनलोड करने और पंजीकरण करने का आग्रह करती है, ताकि वे इस अनूठी और संवादात्मक पहल का अभिन्न अंग बन सकें। इससे पहले उसी दिन, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आगामी चुनावों में भाजपा की जीत पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने पार्टी द्वारा शुरू की गई विजय संकल्प यात्रा और इसके लिए जनता के समर्थन -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
निम्न अनुष्ठानों (भूमि, धन-व्यापारउधोग-धंधों) से आय के साधन भी बड़ते हैं।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अजमल के बयान पर सीएम का पलटवार, सख्त कार्रवाई जारी रखने का संकल्प

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में अवैध घुसपैठ के खिलाफ -शेष पृष्ठ दो पर

शिवसागर में गैमन पुल गिरने से एनएच-37 पर यातायात बाधित

गुवाहाटी। असम के शिवसागर जिले में शुक्रवार तड़के दिखो नदी पर बने गैमन पुल का एक हिस्सा ढह जाने के बाद एक महत्वपूर्ण परिवहन संपर्क टूट गया, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर यातायात ठप हो गया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 4:30 बजे घटी, जब पुराने पुल का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। बताया जा रहा है कि यह ढहने का कारण पुल की नींव के आसपास की मिट्टी का कटाव था। 1963 में -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल : रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव के बाद भड़की हिंसा, कई घायल

कोलकाता। विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच बंगाल में इस बार भी रामनवमी की शोभायात्रा पर शुक्रवार को पथराव की घटना के बाद हिंसा भड़क उठी। घटना बांग्लादेश की सीमा से सटे मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर अनुमंडल के रघुनाथगंज थाना इलाके की है। रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव के बाद वहां दो समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष में एक दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विशाल पुलिस वाहिनी व रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) के साथ केंद्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

असम में भाजपा तीसरी बार बनाएगी सरकार : सोनोवाल

गुवाहाटी। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि भाजपा असम में तीसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार है और आगामी विधानसभा चुनावों में 100 से अधिक सीटें हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने राज्य के लिए *ऐतिहासिक निर्णय* लिए हैं। दक्षिणी असम के कछार जिले के बोरखोला विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि भाजपा के शासन और विकास संबंधी पहलों ने पूरे राज्य में जनता के विश्वास को मजबूत किया है। असम में भाजपा आसानी से सरकार बनाएगी और हमें 100 से अधिक सीटें जीतने का पूरा भरोसा है। जनता ने हमारा काम देखा है और हमारे नेतृत्व पर उन्हें विश्वास है, सोनोवाल ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के तहत असम में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं, जो इसकी तुलना पिछली सरकारों से करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि असम के विकास -शेष पृष्ठ दो पर

श्रीनगर-लेह हाईवे पर हिमस्खलन

सात लोगों की मौत रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर और लेह हाईवे पर जोजिला दर्रे के पास भीषण हिमस्खलन हुआ है। एवलांच के कारण सात लोगों की मौत हो गई है और कई वाहन बर्फ और मलबे के नीचे दबे हैं। मौके पर पुलिस प्रशासन द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को जोजिला दर्रे पर हिमस्खलन की चपेट में आने से छह लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

राज्यों को सप्लाई चेन दुरुस्त रखने के निर्देश, टीम इंडिया की भावना पर जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि *टीम इंडिया* की भावना से मिलकर काम करने पर देश इस स्थिति से सफलतापूर्वक उबर जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की प्राथमिकताएं आर्थिक और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखना, -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने मिसाइल पर भारत का नाम लिखकर इजरायल पर किया फायर

तेहरान। इजराइल पर हमले के लिए ईरान ने एक ऐसी रणनीति अपनाई जिसने सबका ध्यान खींच लिया और इसमें भारत का नाम भी सामने आया। दरअसल ईरान ने हाल ही में इजराइल की ओर दागी गई कुछ मिसाइलों पर थैंक्यू जैसे संदेश लिखे और खास बात यह है कि इन संदेशों में भारत का नाम भी लिखा गया। यानी ईरान ने भारत का नाम लिखकर इजराइल पर मिसाइल दागी। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी द्वारा जारी एक वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मिसाइलों पर अलग-अलग देशों के नाम के साथ धन्यवाद संदेश लिखे गए हैं। भारत का नाम भी इसमें देखा जा सकता है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि इस पर थैंक यू इंडिया लिखा हुआ है। इंडिया के साथ-साथ जर्मनी का नाम भी लिखा गया। इन देशों को ईरान इसलिए थैंक यू कह रहा है क्योंकि इनका रुख इस संघर्ष में संतुलित माना जा रहा है और इन्होंने खुलकर अमेरिका का साथ नहीं दिया। भारत समेत जर्मनी, पाकिस्तान और स्पेन जैसे देशों के नाम इसमें देखे जा सकते हैं। दरअसल, यह कदम सिर्फ एक सैन्य कारवाही नहीं बल्कि एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

रसोई गैस उत्पादन में 40 फीसदी वृद्धि, कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति 70 फीसदी तक बहाल : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स)। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक रुकावटों के बावजूद भारत ने कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और पीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। साथ ही घरेलू रसोई गैस के उत्पादन में लगभग 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है, जबकि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को धीरे-धीरे 70 फीसदी तक बहाल कर दिया गया है, जिसमें प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहीं, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के कारण ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की है। इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने के बजाय स्वयं वहन किया है, जिससे पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क 10-10 रुपए प्रति लीटर कम हो गया है। अप्रैल 2022 से पेट्रोल और डीजल की कीमतें या तो कम हुई हैं या स्थिर बनी रही हैं। यहां तक कि अप्रैल 2025 में जब उत्पाद शुल्क बढ़ाया गया था तब भी इसका अतिरिक्त बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया। सुजाता शर्मा ने कहा कि पीएनजी के विस्तार कार्य में तेजी लाई गई है, जिसके तहत प्रतिदिन 10,000 से अधिक नए कनेक्शन जोड़े जा रहे हैं। साथ ही जमाखोरी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है, जिसके तहत लगभग 3 हजार छापेमारी की गई है, सैकड़ों एफआईआर दर्ज की गई हैं और गैस वितरकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। सरकार ने एक बार फिर दोहराया है कि आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर अनावश्यक खरीदारी न करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं, हम एक युद्ध जैसी स्थिति में हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे इस युद्ध की वजह से कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की हमारी आपूर्ति पर असर पड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की कीमतें भी बहुत बढ़ गई हैं। हालांकि, भारत सरकार ने इस स्थिति को बहुत प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं...। सुजाता शर्मा ने कहा कि इन सभी उपायों के परिणामस्वरूप 14 मार्च से लेकर 26 मार्च तक कमर्शियल उपभोक्ताओं को लगभग 30,000 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की गई है। जब भारत सरकार ने ये निर्णय लिए तो उसने यह सुनिश्चित किया कि रेस्तरां, ढाबों, होटलों, औद्योगिक कैंटीनों, प्रवासियों और श्रमिकों को प्राथमिकता दी जाए...। वहीं, सूचना और प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव सेंथिल राजन ने कहा कि हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें और फेक न्यूज से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि इससे पहले एलपीजी की कमी के बारे में गलत जानकारी फैलने से लोग घबराकर बुकिंग करने लगे थे, लेकिन उस स्थिति को काबू में कर लिया गया था।

राज्यभर में सीएम ने चुनावी जनसभा एवं रोड शो में लिया हिस्सा

लखीमपुर (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को लखीमपुर जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कई जनसभाएं करने के साथ ही भव्य रोड शो किया। इस दौरान भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति देखी गई और जगह-जगह जनता ने उनका जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने दिन के दौरान बिहपुरिया, रंगानदी, ढकुवाखाना और नाओबैचा विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो कर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया। प्रत्येक स्थान पर सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे, जिन्होंने हाथ हिलाकर और नारों के साथ उनका स्वागत किया। स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा गया। देर शाम मुख्यमंत्री ने लखीमपुर विधानसभा क्षेत्र में भी रोड शो किया, जहां लाखों की भीड़ उमड़ पड़ी। समर्थकों ने फूल-मालाओं और पारंपरिक तरीके से उनका अभिनंदन किया। पूरे मार्ग में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए राज्य में जारी विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले वर्षों में विकास की नई दिशा दी है और आने वाले समय में इसे और गति दी जाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के बड़े जनसमर्थन से चुनावी माहौल में भाजपा को बढ़त मिल सकती है। मुख्यमंत्री के रोड शो ने लखीमपुर जिले में चुनावी सरगर्मी को और तेज कर दिया है।

722 उम्मीदवार मैदान में, कुछ सीटों पर अधिकतम तो कई पर न्यूनतम प्रत्याशी

गुवाहाटी (हिंस)। आसन्न विधानसभा चुनाव के लिए कुल 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें 663 पुरुष, 59 महिला उम्मीदवार शामिल हैं, जबकि *अन्य* श्रेणी से कोई भी उम्मीदवार नहीं है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि चुनावी मैदान में पुरुष उम्मीदवारों का दबदबा बना हुआ है, जबकि महिला उम्मीदवारों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है। निर्वाचन क्षेत्रों की बात करें तो 122-अल्गापुर-काटलीचेरा और 124-करीमगंज दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक 15-15 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे ये सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी सीटें बन गई हैं। वहीं, सबसे कम केवल दो-दो उम्मीदवार 31-रंगिया, 52-जागीरोड (एससी), 63-हो ?ाई, 69-नादुआर, 80-जोनाई (एसटी), 82-दुमदुमा, 94-माहमारा, 99-टियोक और 114-लखीमपुर सीटों पर मैदान में हैं। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि कुछ क्षेत्रों में कड़ी बहुकोणीय टक्कर देखने को मिल रही है, जबकि कई सीटों पर मुकाबला अपेक्षाकृत सीमित है।

पूसीरे ने वित्त वर्ष 2025-26 में 35 ट्रेनों की गति बढ़ाई

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अपने नेटवर्क पर 35 ट्रेनों की गति बढ़ाकर परिचालन दक्षता और यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस समन्वित प्रयास के परिणामस्वरूप यात्रा समय में कुल 675 मिनट की बचत हुई है, जिससे प्रति ट्रेन के यात्रा समय में औसतन लगभग 19.29 मिनट की कमी आई है। गति में यह वृद्धि दैनिक, साप्ताहिक और द्वि-साप्ताहिक ट्रेन सेवाओं के मिश्रण को कवर करती है, जो महत्वपूर्ण गंतव्यों को जोड़ती हैं। इस प्रकार, यह विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों को व्यापक लाभ सुनिश्चित करती है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि मुख्य सुधारों में, न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव एक्सप्रेस, हावड़ा-गुवाहाटी सराईघाट एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-देवघर एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों और कई अन्य ट्रेनों के यात्रा समय में काफी बचत हुई है। इनके यात्रा समय में क्रमशः 60 मिनट, 30 मिनट और 90 मिनट तक की कमी आई है। इंटरसिटी, मेल/एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनों के परिचालन के दौरान जिन कई अन्य मार्गों पर भीड़-भाड़ की समस्या रहती थी, उन्हें भी बेहतर सेक्शनल गति, बेहतर समय-सारिणी और बुनियादी ढांचे में सुधार के माध्यम से बेहतर बनाया गया है।

जल जीवन मिशन 2.0 के तहत हर ग्रामीण परिवार को पेयजल के लिए मेघालय का केंद्र से समझौता

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय ने केंद्र सरकार के साथ जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुधार-आधारित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इससे राज्य में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति को परिणामोन्मुख और सेवा-आधारित ढांचे में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार को पर्याप्त मात्रा और निर्धारित गुणवत्ता का पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध कराना है। ऐसा समझौता करने वाला मेघालय 12वां राज्य बन गया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार एमओयू पर हस्ताक्षर जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राज्यमंत्री वी. सोम्माना और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा की उपस्थिति में किए गए। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्रालय और मेघालय सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जलशक्ति मंत्रालय के सचिव अशोक केके मीणा ने कहा कि यह एमओयू केवल पाइपलाइन बिछाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सतत सेवाओं को प्राथमिकता देता है। उन्होंने ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया ताकि वे गांव स्तर पर जल आपूर्ति प्रणाली का संचालन और प्रबंधन कर सकें। जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि मेघालय ने जल जीवन मिशन के तहत उल्लेखनीय प्रगति की है और अब तक 83 प्रतिशत कवरेज हासिल किया है। उन्होंने राज्य सरकार से शेष कार्य शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार मिशन की समयसीमा दिसंबर 2028 तक बढ़ाई गई है और इसके लिए 1.51 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। मिशन के तहत गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री सांग्मा ने कहा कि मेघालय, जो कभी ग्रामीण नल जल कवरेज में सबसे पीछे था, अब 83.59 प्रतिशत कवरेज हासिल कर चुका है। उन्होंने इस प्रगति का श्रेय प्रधानमंत्री और जल शक्ति मंत्रालय के मार्गदर्शन को दिया। सांग्मा ने कहा कि राज्य सरकार जल आपूर्ति की मात्रा, गुणवत्ता और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भाजपा नेतृत्व पर गौरव का हमला, ईंधन संकट और टिकट वितरण पर उठाए सवाल

जोरहाट (हिंस)। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने भाजपा नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए आंतरिक अविश्वास का आरोप लगाया और ईंधन संकट जैसे जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरा। एक सभा को संबोधित करते हुए बीती रात गोगोई ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से सतर्क रहने की सलाह दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पिता को पहले से ही ऐसे राजनीतिक विश्वासघात की आशंका थी। गोगोई ने भाजपा के *डबल इंजन सरकार* के दावे की भी आलोचना करते हुए कहा कि बड़े-बड़े दावों के बावजूद राज्य में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी के कारण लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। कांग्रेस की उम्मीदवार चयन प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी ने 13 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जिससे नए चेहरों को मौका मिला है। इसके विपरीत, उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अधिकतर टिकट पूर्व कांग्रेस नेताओं को दिए हैं, जो पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने टियोक क्षेत्र के मतदाताओं से कांग्रेस उम्मीदवार पल्लवी गोगोई के समर्थन की अपील करते हुए कहा कि उनका इस क्षेत्र के लोगों के साथ पुराना संबंध रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

देश में लॉकडाउन ...

ईमेल का जवाब देते हुए 25 नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की गई है। देश के किसी भी बड़े या छोटे बंदरगाह पर भीड़ या बाधा की स्थिति नहीं है। इस बीच केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है। इस स्थिति में रिफाइनरियों को निर्यात के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है, जिसे संतुलित करने के लिए सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और रोड एवं इंफ्रास्ट्रक्चर सेस लगाया है। सरकार ने दोहराया कि देश में आवश्यक वस्तुओं और ईंधन की कमी नहीं है तथा स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

अगर भाजपा सत्ता...

होता है। उन पर अक्सर बांग्लादेश से अवैध अप्रवासी होने का आरोप लगाया जाता है। असम में कभी अपमानजनक शब्द के रूप में इस्तेमाल होने वाला यह शब्द, जो दक्षिण एशियाई मुसलमानों के बीच सम्मानजनक उपाधि मिया के सामान्य उपयोग से उत्पन्न हुआ था, अब समुदाय द्वारा औपनिवेशिक युग के दौरान बंगाल से असम में पलायन करने वाले मुसलमानों को संदर्भित करने के लिए एक आत्म-वर्णनात्मक शब्द के रूप में पुनः अपना लिया गया है। पिछले कुछ महीनों में, शर्मा ने मिया समुदाय को निशाना बनाते हुए कई टिप्पणियां की हैं, जिनमें यह दावा करना भी शामिल है कि उन्हें *तकलीफ पहुंचाना* उनका काम है और यह कहना कि उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची से मिया मुसलमानों के नाम हटाने के लिए आवेदन दाखिल करने का निर्देश दिया था। 26 फरवरी को गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने हिमंत विश्व शर्मा से उन याचिकाओं पर जवाब मांगा, जिनमें मुसलमानों के खिलाफ कथित घृणास्पद भाषण देने के आरोप में उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। इससे पहले फरवरी में, सुप्रीम कोर्ट ने इसी तरह के आरोपों पर उनके खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। शुक्रवार को चुनाव प्रचार के दौरान शर्मा ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने पिछले पांच वर्षों में मिया समुदाय से 1.5 लाख बीघा अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराया है। 2016 में असम में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से, राज्य में कई विध्वंस अभियान चलाए गए हैं, जिनमें ज्यादातर बंगाली भाषी मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बनाया गया है। असम में विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल को होंगे और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

भाजपा को मिलेगी ...

(एआईयूडीएफ) के बदरुद्दीन अजमल पर भी अपना हमला तेज कर दिया। अपने बयान में डॉ. शर्मा ने कहा कि भाजपा ने असम के दुश्मनों की ताकत को पूरी तरह खत्म कर दिया है। साथ ही कहा कि अगली बार, मैं बाकी बचे हुए दुश्मनों को भी समाप्त कर दूंगा। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान 9 अप्रैल को होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

मध्य गुवाहाटी में भाजपा ...

छठी सभा मध्य गुवाहाटी क्षेत्र के रूपनगर स्थित गोपी बोड़ो पथ में स्थानीय लोगों के साथ सफलतापूर्वक आयोजित की गई। सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य में हुए व्यापक विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह उनके विधानसभा क्षेत्र में भी विकास की गति तेज हुई है। इस अवसर पर भाजपा असम प्रदेश के प्रभारी हरीश द्विवेदी, जिला भाजपा अध्यक्ष तपन दास, 27 नंबर वार्ड के पार्षद रिंटू मणि ब्रह्म, मुकुता डेका, युवा नेता ईशान भराली सहित विभिन्न मंडल के प्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री आज...

पदाधिकारी और मित्र दल के शीर्ष नेतृत्व उपस्थित रहेंगे और पार्टी के प्रत्याशियों के लिए मतदाताओं को संबोधित करेंगे। इस बीच भाजपा के स्टार प्रचारक के आगामी कल आगमन को लेकर भाजपा द्वारा जोरदार तैयारी किए जाने की जानकारी मिली है। ज्ञात हो कि भाजपा ने प्रधानमंत्री समेत कुल 40 स्टार कैंपेनरों को चुनाव मैदान में उतारा है।

असम चुनाव से पहले ...

की प्रशंसा की। उन्होंने अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल की आलोचना करते हुए कहा कि हमारी विजय संकल्प यात्रा संपन्न हुई और बड़ी संख्या में लोग आए और हमें आशीर्वाद दिया। हमें पूरा विश्वास है कि इस बार ऐतिहासिक परिणाम भाजपा के पक्ष में आएगा। अजमल (एआईयूडीएफ प्रमुख) चाहे जो भी कहें, राजनीतिक रूप से हमने असम के शत्रुओं की शक्ति को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। अगली बार मैं बचे-खुचे शत्रुओं का भी सफाया कर दूंगा। असम विधानसभा की 126 सीटों के चुनाव में मुख्य रूप से सत्ताधारी भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस पार्टी के बीच मुकाबला होगा। शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, जबकि कांग्रेस सत्ता में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रही है। शर्मा के अपने पारंपरिक जालुकबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की उम्मीद है।

बंगाल : रामनवमी की ...

बल तक को उतारना पड़ा। घटना रघुनाथगंज के फूलतला इलाके की है। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। भाजपा का आरोप है कि जब उसकी रामनवमी शोभायात्रा फूलतला मोड़ से गुजर रही थी तभी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उसपर अचानक ईंट व पत्थर बरसाना शुरू कर दिया। दूसरी ओर, मुस्लिम समुदाय का कहना है कि शोभायात्रा में शामिल लोगों में से पहले हमला किया गया। जिसके बाद संघर्ष शुरू हो गया। इस दौरान जमकर पत्थरबाजी के साथ लाठी-डंडों से हमला किया गया। भाजपा का दावा है कि हमले में उसके 10-12 कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुस्लिम समुदाय के युवकों पर कई दुकानों में तोड़फोड़ व आगजनी का भी आरोप है। घटना की खबर मिलते ही खुद मुर्शिदाबाद रेंज के डीआईजी अजय सिंह यादव भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि स्थित फिलहाल नियंत्रण में है। डीआईजी ने बताया कि घटना के सिलसिले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि इसकी संख्या फिलहाल उन्होंने नहीं बताई। घटना से इलाके में व्यापक तनाव है। हिंसा के बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बलों को तैनात किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि उपद्रवियों को पकड़ने के लिए पुलिस इलाके में गहन तलाशी अभियान चला रही है। घटना के कारणों की जांच के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मालूम हो कि रामनवमी शोभायात्रा को केंद्र कर बंगाल के विभिन्न हिस्सों में पहले भी हिंसा की घटनाएं सामने आती रही है। साल 2024 में हावड़ा शहर के शिवपुर इलाके में रामनवमी शोभायात्रा पर पथराव के बाद भारी हिंसा हुई थी, जिसकी एनआईए जांच कर रही है। हुगली जिले में भी हिंसा हुई थी। वहीं, मुर्शिदाबाद जिले में पिछले साल मार्च में केंद्र के नए वक्फ बिल के खिलाफ आंदोलन के दौरान जबरदस्त हिंसा भड़की थी। इस दौरान शमशेरगंज इलाके में उपद्रवियों ने दो लोगों (पिता-पुत्र) की निर्मम तरीके से हत्या कर दी थी। हिंसा से बड़ी संख्या में हिंदू परिवार प्रभावित हुए थे। इसके बाद कुछ माह पहले झारखंड में एक बंगाली प्रवासी श्रमिक की हत्या की घटना के बाद मुर्शिदाबाद के बेलडांगा इलाके में जबरदस्त हिंसा हुई थी। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने दो दिनों तक राष्ट्रीय राजमार्ग भी बाधित कर दिया था।

असम में भाजपा तीसरी ...

और पहचान के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। लोग अब अस्थिरता और भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि विकास और सुशासन चाहते हैं। सोनोवाल ने राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला और जोर देकर कहा कि इन प्रयासों से जमीनी स्तर तक लोगों का प्रभाव पहुंचा है और नागरिकों के जीवन में सुधार हुआ है। राजनीतिक परिदृश्य का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दलों में दिशा और जनसमर्थन की कमी है, जबकि भाजपा बराक घाटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपना आधार बढ़ाना जारी रखे हुए है। उन्होंने आगे कहा कि बोरखोला जैसे इलाकों में लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया भाजपा में उनके विश्वास को दर्शाती है। हम असम को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव से पहले अपने जनसंपर्क प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया और बूथ स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने के महत्व पर जोर दिया। पार्टी के वरिष्ठ नेता और स्थानीय उम्मीदवार रैली में मौजूद थे, जिसमें बड़ी संख्या में समर्थकों की उपस्थिति देखी गई। असम में विधानसभा चुनावों में बहुकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता बरकरार रखने का लक्ष्य रखेगा, जबकि विपक्षी दल इसके वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिश करेंगे।

सात लोगों की मौत...

की जान चली गई, वहीं कई लोग अभी भी फंसे हुए हैं। घटना के तुरंत बाद बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को निकालने और मलबा हटाने का अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है और सड़क को यातायात के लिए बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भी इस घटना को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स प्लेटफार्म पर लिखा कि जोजी ला में हिमस्खलन की दुर्भाग्यपूर्ण खबर मिली है। मैंने कारगिल के डीसी और एसएसपी को तत्काल घटनास्थल का दौरा करने और राहत एवं बचाव अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है। आपदा राहत बलों और बीआरओ सहित सभी सरकारी एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहा हूं। मिली जानकारी के अनुसार, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और एसडीआरएफ ने लोगों को रेस्क्यू करने के लिए संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया है। यहां कम से कम 15 वाहन आंशिक रूप से बर्फ के मलबे में दबे हैं। लोगों को निकालने का काम जारी है। इस समय लेह-श्रीनगर मार्ग बाधित है।

राज्यों को सप्लाई चेन...

ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, नागरिकों के हितों की रक्षा करना और उद्योग व आपूर्ति श्रृखंलाओं को मजूबत करना है। उन्होंने राज्यों से आपूर्ति श्रंखलाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने और जमाखोरी व मुनाफाखोरी के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में अग्रिम योजना बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया, खासकर उर्वरक भंडारण और वितरण की निगरानी में। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी स्तरों पर मजबूत समन्वय तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि बदलते हालात में तत्काल प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सीमा और तटीय राज्यों में खास ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि नौवहन, आवश्यक आपूर्ति और समुद्री संचालन से जुड़ी नई चुनौतियों का समाधान किया जा सके। प्रधानमंत्री ने गलत सूचनाओं व अफवाहों से सतर्क रहने का भी आग्रह किया और सही व विश्वसनीय जानकारी फैलाने पर जोर दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक *टीम इंडिया* की भावना के तहत राज्यों और केंद्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले किए। बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे। एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस टीम इंडिया की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। कैबिनेट सचिवालय चुनाव वाले राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों के साथ अलग बैठक करेगा। वहीं, मुख्यमंत्रियों ने स्थिति से निपटने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों की सराहना की। उन्होंने वैश्विक अनिश्चितता के बीच ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करने और राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन बढ़ाने के फैसलों का स्वागत किया। मुख्यमंत्रियों ने भरोसा जताया कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उलब्धता के कारण स्तिति स्थिर बनी हुई है। उसी दिन एक मीडिया कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद भी चुनौतियां लगातार बढ़ती रही हैं और ऐसा कोई साल नहीं रहा जब भारत और भारतीयों की परीक्षा न हुई हो। लेकिन 140 करोड़ भारतीयों के संयुक्त प्रयास से भारत हर आपदा का सामना करते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और चुनौतियों को टालने के बजाय सीधे उनका सामना कर रहा है। सरकार ने 25 मार्च को पश्चिम एशिया की स्थिति पर राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी देने के लिए सर्वदलीय बैठक भी की थी, जिसमें स्थिति से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी दी गई। 23 मार्च को लोकसभा में बयान देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि पश्चिम एशिया संघर्ष से पैदा हुई वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रह सकती हैं और उन्होंने देश से एकजुट और तैयार रहने का आह्वान किया था, जैसे कोविड-19 महामारी के दौरान रहा था। उन्होंने संकट के आंतरिक सुरक्षा पहलू की ओर भी ध्यान दिलाते हुए कहा कि कुछ तत्व ऐसी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है और तटीय, सीमा, साइबर और रणनीतिक ठिकानों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, चाहे तटीय सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा या रणनीतिक प्रतिष्ठान, सभी की सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। पीएम मोदी ने धैर्य, संयम और सतर्कता बरतने की अपील की और अफवाह फैलाने, कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों के खिलाफ चेतावनी दी और सभी राज्य सरकारों से सख्त निगरानी और तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। लोकसभा में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने देश की सामूहिक ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा कि जब देश की हर सरकार और हर नागरिक साथ चलता है, तो हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं, यही हमारी पहचान और ताकत है। मुख्यमंत्रियों ने भरोसा जताया कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता के कारण स्थिति स्थिर बनी हुई है। साथ ही, उन्होंने केंद्र के साथ मिलकर प्रभावी प्रबंधन के लिए तालमेल बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले सरकार ने नागरिकों को आश्वस्त किया था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है, जिससे किसी एक मार्ग या क्षेत्र पर निर्भरता कम हो जाती है।

ईरान ने मिसाइल पर ...

माना जा रहा है। इसे साइकोलॉजिकल वॉरफेयर की तरह भी देखा जा रहा है। जिसका मकसद सिर्फ दुश्मन को निशाना बनाना नहीं बल्कि दुनिया के सामने एक खास संदेश और धारणा बनाना भी है। ईरान इस तरीके से यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर वह पूरी तरह अलग-थलग नहीं है। खासकर ऐसे वक्त में जब उस पर स्टेट ऑफ हुर्मस को लेकर लगातार वैश्विक दबाव बना हुआ है और ऐसे में यह संदेश काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि इस तरह की रणनीति पहले भी देखी गई है। ईरान ने उसी अंदाज को अपने तरीके से अपनाते हुए जवाब देने की कोशिश की और बड़ी बात यह संदेश इजराइल के खिलाफ ही इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में भारत का नाम सामने आना अपने आप में मायने रखता है। भारत पारंपरिक रूप से संतुलित विदेश नीति अपनाता रहा है और मिडिल ईस्ट के देशों के साथ उसके संबंध अलग-अलग स्तरों पर मजबूत है। ऐसे में ईरान वाला भारत का नाम इस तरह इस्तेमाल करना कूटनीतिक नजरिए से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुल मिलाकर यह साफ है कि मिडिल ईस्ट की यह जंग अब सिर्फ जमीन या आसमान में नहीं, बल्कि दिमाग और धारणा के स्तर पर भी लड़ी जा रही है।

अजमल के बयान पर ...

उनकी सरकार की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने पिछले पांच वर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दौरान कड़े कदम उठाए गए हैं और आने वाले समय में इससे भी अधिक कठोर कार्रवाई की जाएगी। उनका यह बयान अजमल द्वारा मुख्यमंत्री को चुनौती देने वाले हालिया बयान के जवाब में आया है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा बिहपुरिया में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने भाजपा उम्मीदवार भूपेन बोरा के समर्थन में प्रचार किया। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी को जनसमर्थन मिलने के बाद क्षेत्र में तेज गति से विकास होगा। इस अवसर पर भूपेन बोरा ने कहा कि बिहपुरिया में आने वाले पांच वर्षों में विकास की रफ्तार बीते दस वर्षों की तुलना में चार गुना अधिक होगी और क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

शिवसागर में गैमन पुल ...

निर्मित यह पुल उस समय मरम्मत के कार्य में था। इस भूस्खलन से ऊपरी असम में आवागमन बुरी तरह बाधित हो गया है और राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। अधिकारियों ने जहां संभव हो, यातायात को वैकल्पिक मार्गों से मोड़ दिया है, लेकिन क्षेत्र में आवागमन अभी भी प्रभावित है। खबरों के मुताबिक, पुल के कमजोर हिस्से को पार करने की कोशिश में एक ट्रक नदी में गिर गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पुल की जर्जर हालत को लेकर उसकी लगातार जांच-पड़ताल की जा रही थी। इस साल की शुरुआत में, इसके केंद्रीय भाग का एक हिस्सा बह गया था, जिसके कारण मरम्मत कार्य और वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना पड़ा था। आपातकालीन बचाव दल और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी नुकसान का जायजा लेने और पुनर्निर्माण कार्य शुरू करने के लिए घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। यात्रियों को अगली सूचना तक इस मार्ग से यात्रा न करने की सलाह दी गई है।

मुख्यमंत्री को कमजोर करने की कोशिश कभी सफल नहीं होगी : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि वह पिछले 20 वर्षों से मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कभी सफलता नहीं मिली। हजारिका ने कहा कि अजमल के सभी प्रयास विफल रहे हैं और आगे भी विफल रहेंगे। उन्होंने कहा कि असम में कोई भी *बांग्लादेशी तत्व* मुख्यमंत्री का कुछ नहीं बिगाड़ सकता। उन्होंने कहा कि असम की जनता अजमल को करारा जवाब देगी। हजारिका ने आरोप लगाया कि अजमल समय-समय पर अलग-अलग राजनीतिक दलों, विशेषकर कांग्रेस, के साथ मिलकर मुख्यमंत्री के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश करते रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि अजमल की यह रणनीति पहले भी नाकाम रही है और भविष्य में भी जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

असम के विकास की कुंजी *डबल इंजन सरकार* : पबित्र मार्घेरिटा

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने शुक्रवार को कहा कि असम में तेजी से हो रहा विकास *डबल इंजन सरकार* का परिणाम है और राज्य की जनता लगातार तीसरी बार इस सरकार को सत्ता में देखना चाहती है। 2026 के असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तिताबर स्थित भाजपा चुनाव कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पबित्र मार्घेरिटा ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में बेहतर समन्वय के कारण त्वरित निर्णय, योजनाओं का सुचारु क्रियान्वयन और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि *विकसित और सुरक्षित असम* के निर्माण में सहभागी बनने की इच्छा के चलते जनता के बीच डबल इंजन सरकार को पुनः सत्ता में लाने के पक्ष में मजबूत जनभावना उभर रही है। मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि 27 हजार करोड़ रुपए के सेमीकंडक्टर प्लांट जैसे बड़े निवेश इसी बेहतर समन्वय के कारण संभव हो पाए हैं। अन्य राज्यों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि जहां डबल

इंजन सरकार नहीं है, वहां समन्वय की कमी के चलते केंद्रीय निधियों का पूरा उपयोग नहीं हो पाता और बुनियादी ढांचा व स्वास्थ्य परियोजनाएं देरी का शिकार होती हैं। वहीं असम में रेलवे, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में विकास की गति तेज हुई है। राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि बढ़ती प्रति व्यक्ति आय और निवेश के साथ असम देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य में 1.65 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां पारदर्शिता और शून्य भ्रष्टाचार के साथ दी गई हैं तथा डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों को सीधे योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि असम अब उग्रवाद और अस्थिरता के दौर से निकलकर शांति और स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ चुका है। उन्होंने इस परिवर्तन का श्रेय केंद्र के नेतृत्व को देते हुए कहा कि अब राज्य के केवल कुछ जिलों में ही सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम लागू है। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर उन्होंने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव से जुड़े स्थलों का विकास और चराइदेव जैसे ऐतिहासिक स्थानों को मान्यता देना सरकार की प्राथमिकता में रहा है। साथ ही, राज्य के महान व्यक्तित्वों के सम्मान में विभिन्न संस्थानों और परियोजनाओं का नामकरण किया गया है। समावेशी विकास पर जोर देते हुए मंत्री ने चाय जनजाति समुदायों के लिए भूमि अधिकार, आरक्षण और कौशल विकास कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उन्होंने *रुणोदय, निजुत मइना* और सस्ती राशन योजनाओं जैसे महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों का भी जिक्र किया, जिनसे लाखों परिवारों को लाभ मिला है।

चुनाव 26 : अजमल के विवादित बयान पर असम में तीखी प्रतिक्रिया

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल के एक कथित विवादित बयान को लेकर असम में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। *मियां मुख्यमंत्री की कमर तोड़ देगा* जैसी टिप्पणी ने जनमानस में आक्रोश पैदा कर दिया है और राजनीतिक हलकों में भी इस पर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भी शुक्रवार को बिहपुरिया में एक चुनावी कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए अजमल के बयान पर पलटवार करते हुए कड़ी कार्रवाई जारी रहने क संदेश दिया। वहीं, स्थानीय लोगों ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए इसे उकसाने वाला और सामाजिक सौहार्द के लिए हानिकारक बताया। लोगों का कहना है कि इस तरह की भाषा राज्य के शांतिपूर्ण माहौल को प्रभावित कर सकती है और जिम्मेदार राजनीति के खिलाफ है।

सिलचर में नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार शरण देने के आरोप में चार अन्य गिरफ्तार

कछार (हिंस)। सिलचर में पुलिस और असम राइफल्स के संयुक्त अभियान में एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में उसे शरण देने के आरोप में चार अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, विशेष सूचना के आधार पर सिलचर के शिलांग पट्टी इलाके में घूम रहे उक्त संदिग्ध विदेशी नागरिक को पकड़ा गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान एमेका एसेडो के रूप में हुई है। अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजत पाल ने मीडिया को बताया कि आरोपित के पास भारत में प्रवेश या रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं था, जिसके चलते उसे गिरफ्तार किया गया। संदेह के आधार पर पुलिस ने मालुग्राम स्थित एक किराए के मकान में तलाशी ली, जहां से एक पहचान पत्र और समाप्त हो चुका वीजा बरामद किया गया। हालांकि, पहचान पत्र असली है या नकली, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो सकी है, लेकिन उस पर एमेका एसेडो का नाम दर्ज है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपित ने दावा किया कि वह दिल्ली से सिलचर आया था, लेकिन पुलिस को संदेह है कि वह म्यांमार से मिजोरम के रास्ते भारत में दाखिल होकर सिलचर पहुंचा हो सकता है। जांच में यह भी सामने आया कि वह मालुग्राम इलाके में किराए के मकान में रह रहा था।

अष्टलक्ष्मी दर्शन : युवा प्रतिभागियों से राज्यपाल ने की बातचीत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शुक्रवार को लोक भवन में, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) द्वारा प्रायोजित *अष्टलक्ष्मी दर्शन, 2026 युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम* के तहत छत्तीसगढ़ और नई दिल्ली से आए 44 युवा प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। युवा प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते हुए, राज्यपाल ने आठ पूर्वोत्तर राज्यों, विशेष रूप से असम की समृद्ध परंपरा और संस्कृति पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि भारत की ताकत उसके युवाओं में निहित है, जिनकी ऊर्जा और मूल्य राष्ट्र के भविष्य को आकार दे सकते हैं। राज्यपाल ने युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और जिम्मेदारी की प्रबल भावना के महत्व पर जोर दिया। छात्रों को राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने उनसे *राष्ट्र भाव* और *राष्ट्र सेवा* की भावना को अपनाने का आग्रह किया। राज्यपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ऐसे आदान-प्रदान कार्यक्रम सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने और राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवा प्रतिभागियों से अपने अनुभवों को अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने असम को उसकी अद्वितीय सांस्कृतिक, जातीय, भाषाई और धार्मिक विविधता के कारण *मिनी इंडिया* (लघु भारत) की संज्ञा दी। राज्यपाल ने युवा प्रतिभागियों को एक *फुलाम गामोछा* और एक प्रेरणादायक पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। इससे पहले, दो युवा प्रतिभागियों ने *अष्टलक्ष्मी दर्शन, 2026 युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम* के तहत अपने अनुभव राज्यपाल के साथ साझा किए। उल्लेखनीय है कि आईआईटी, गुवाहाटी ने *अष्टलक्ष्मी दर्शन, 2026 युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम* की मेजबानी की थी। इस 14-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों को पूर्वोत्तर क्षेत्र की विविध सामाजिक-सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और साथ ही पारिस्थितिक समृद्धि से रूबरू कराया गया।

असम दौरे पर आएंगे ओवैसी एआईयूडीएफ के लिए करेंगे चुनाव प्रचार

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के चुनाव अभियान को मजबूती देने के लिए फॉर्म ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी अप्रैल के शुरुआत में असम का दौरा करेंगे। यह जानकारी एआईयूडीएफ अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने शुक्रवार को दी। अजमल ने बताया कि यह दौरा दिल्ली में उनके पुत्र अब्दुल रहमान अजमल और ओवैसी के बीच हुई बैठक के बाद तय किया गया। उन्होंने कहा कि मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई, जिसके बाद उनसे भी बातचीत कर असम आने पर सहमति बनी। इस दौरे के दौरान कम से कम आठ कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। इससे पहले ओवैसी ने एआईयूडीएफ को समर्थन देने की पुष्टि की थी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय अजमल के अनुरोध के बाद लिया गया। ओवैसी ने कहा कि अब्दुल रहमान अजमल ने दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उनकी बदरुद्दीन अजमल से फोन पर भी बातचीत हुई। अपने प्रस्तावित दो दिवसीय दौरे के दौरान गुवाहाटी सहित विभिन्न स्थानों पर ओवैसी के कई जनसभाओं को संबोधित करने की संभावना है। इसे उन क्षेत्रों में जहां अल्पसंख्यक मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं, वोटों के ध्रुवीकरण की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसी बीच, एआईएमआईएम पूर्वी भारत में अपने विस्तार के प्रयास भी तेज कर रही है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में आम जनता उन्नयन पार्टी को समर्थन देकर पार्टी ने क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ाई है। विश्लेषकों का मानना है कि असम और पश्चिम बंगाल में एआईएमआईएम की समानांतर राजनीतिक सक्रियता क्षेत्रीय राजनीति के समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

गौहाटी विश्वविद्यालय में *भूपेंद्र भुवन शताब्दी स्मरण* कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी विश्वविद्यालय में *भूपेंद्र भुवन: शताब्दी स्मरण* कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौहाटी विश्वविद्यालय के *आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन विभाग* के शोधार्थी मंच तथा विभाग के पूर्व छात्र संघ के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार व शुक्रवार को दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत *भूपेंद्र भुवन: शताब्दी स्मरण* का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में शैक्षणिक रजिस्ट्रार प्रोफेसर राजीव संदिकै ने भूपेन हजारिका : दा इटरनल वंडेरेर शीर्षक स्मारिका का विमोचन किया और भूपेन हजारिका के जीवन पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रसिद्ध तबला वादक सूर्य गोस्वामी ने, जिन्होंने हजारिका के साथ संगत की थी, सम्मानित अतिथि के रूप में अपने विचार साझा किए। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनुराधा शर्मा के स्वागत भाषण के साथ आरंभ हुए इस समारोह में लोक संस्कृति अध्ययन विभाग के प्रमुख पद्मश्री अनिल कुमार बोड़ो, प्रोफेसर दिलीप बोरा, उपकुलपति के सचिव एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मृणाल ज्योति डेका, विशेष कर्तव्य अधिकारी डॉ. संजय कुमार दत्ता सहित अनेक शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में हजारिका के जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया। डॉ. धुर्जटी शर्मा के संचालन में आयोजित *भूपेंद्र भुवन: शताब्दी स्मरण* विषयक

परिचर्चा में डॉ. अनुप डेका, मनजीत राजकोंवर, डॉ. पंकज ज्योति गोगोई और डॉ. स्तुति गोस्वामी ने वक्ता के रूप में भाग लेते हुए हजारिका के व्यक्तित्व, जीवन-दर्शन, विचारधारा और असमिया समाज-संस्कृति में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। चर्चा के दौरान उनके साहित्यिक सृजन, सामाजिक आदर्शों और दूरदर्शी चिंतन का भी विस्तृत विश्लेषण किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के संचार एवं पत्रकारिता विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. भारती भराली ने *पत्रकारिता और सिनेमा में भूपेन हजारिका* विषय पर तथ्यपरक और गहन व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हजारिका की बहुआयामी प्रतिभा और समाज के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

नगांव के दुर्गा मंदिर में आयोजित नवरात्रा कार्यक्रम संपन्न

नगांव (निसं)। नवरात्रा के पावन अवसर पर नगांव की माता के नाम से प्रसिद्ध नगांव के श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में चैत्र नवरात्र के शुभ अवसर पर दुर्गा मंदिर में नवरात्रा के कार्यक्रम संपन्न हुए। जय अंबे सत्संग समिति द्वारा नौ दिवसीय भजन कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। उक्त कड़ी में नवरात्र के दौरान मां के तीन भव्य श्रृंगार कराए गए नवरात्र में 19 मार्च से 27 मार्च तक प्रथम दिन से दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक समिति की सदस्याओं द्वारा रोजाना दुर्गा मंदिर प्रांगण में भजनों का कार्यक्रम रखा गया जिसमें कांता भरतिया, यशोदा माहेश्वरी, मीना ढाणीवाल, मंजू सोभासरिया, सुलोचना तोदी, उमा चौधरी, बबीता शर्मा, तुलसी बंका, रचना बंका, लक्ष्मी विदासरिया, मंजू शर्मा, राजु देवी धानुका, किरण जाजोदिया, सरला चांडक, विमला शर्मा, हर्षदा सोलंकी, पूर्णिमा मोर, सरला महर्षि, सहित समिति की सभी सदस्याओं ने बढ़ चढ़कर नौ दिन तक माता रानी के भजनों का गुणगान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत महा सप्तमी को 5-15 बजे से महा आरती का विशेष आयोजन किया गया जिसमें एक सौ से भी अधिक महिलाओं ने हाथों में दीप लेकर माता की आरती की। महाअष्टमी के दिन श्रृंगार के पश्चात माता रानी को सवामणि का भोग लगाया गया एवं दोपहर 3:30 बजे से भजनों का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सर्वप्रथम

समिति के अध्यक्ष मुकेश पोद्दार एंव अरुण नागरका ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दे कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी इसी कड़ी में स्थानीय भजन गायक संजय पोद्दार, अनिल प्रजापत, पत्रकार अजय महतो, दीपिका वर्मा, स्नेहा शर्मा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दे कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया इसी दौरान 6 बजे माता को गजरा अर्पण किया गया जिसमें गजरा गीता प्रजापत एवं दीपमाला बोकाड़िया ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। तत्पश्चात समिति की सदस्याओं ने नृत्य के माध्यम से माता को चुनरी अर्पित की। सुपन कुमार उपाध्याय द्वारा गायन कर 7 बजे की संध्या आरती के साथ विशेष भजन संध्या कार्यक्रम का समापन किया गया। समिति के अध्यक्ष मुकेश पोद्दार ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी सदस्याओं, कलाकारों सहित सभी समाज बंधुओ को धन्यवाद दिया है। उक्त नौ दिवसीय कार्यक्रम की समाज के सभी वर्गों ने भूरी भूरी प्रशंसा की है एवं सभी ने कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर अंश ग्रहण किया है।

कार्बी आंग्लांग में चुनाव की तैयारियां जोरों पर

डिफू। आगामी असम विधानसभा चुनाव, 2026 के सुचारू और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, कार्बी आंग्लांग चुनाव जिले भर में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। सामान्य पर्यवेक्षक और पुलिस पर्यवेक्षक रोजाना चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। इस जिले में तीन विधानसभा क्षेत्र (एलएसी) शामिल हैं-108 बोकाजान (एसटी), 109 हावड़ाघाट (एसटी), और 110 डिफू (एसटी)। कुल 690 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 184 शहरी क्षेत्रों में और 506 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। विधानसभा क्षेत्र के अनुसार, बोकाजान में 214 मतदान केंद्र हैं, हावड़ाघाट में 239, और डिफू में 237। चुनावी प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, 60 मतदान केंद्रों को *पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित* मतदान केंद्रों के रूप में नामित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 20 केंद्र हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक *आदर्श मतदान केंद्र* भी स्थापित किया गया है। दूरदराज और संचार की समस्या वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिन्हें *छाया क्षेत्र* के रूप में चिह्नित किया गया है। इनमें बोकाजान के 15, हावड़ाघाट के 10, और डिफू के 15 मतदान केंद्र शामिल हैं। 21 दूरदराज और पहाड़ी स्थानों पर तैनात किए गए मतदान कर्मियों को समय से पहले ही रवाना कर दिया जाएगा। विशेष रूप से, बोकाजान के 8, हावड़ाघाट के 10, और डिफू के 3 मतदान केंद्रों के लिए कर्मियों को मतदान से दो दिन पहले ही रवाना कर दिया जाएगा, ताकि वे समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। जॉलियन जैसे विशेष रूप से दुर्गम स्थानों पर, मतदान सामग्री को ले जाने के लिए कुलियों की मदद ली जाएगी, क्योंकि बारिश होने की स्थिति में चार-पहिया वाहन इन मतदान केंद्रों तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। प्रेषण केंद्र, प्राप्ति केंद्र, स्ट्रांग रूम, और मतगणना केंद्र-ये सभी डिफू सरकारी कॉलेज में स्थापित किए गए हैं। चुनाव के कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इसमें 3 रिटर्निंग ऑफिसर, 9 असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर, 3 इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, 9 असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, 139 सेक्टर ऑफिसर, 139 सेक्टर पुलिस ऑफिसर, 140 माइक्रो ऑब्जर्वर, 828 प्रेसाइडिंग ऑफिसर, 2,484 पोलिंग ऑफिसर, 690 बूथ लेवल ऑफिसर, 17 डिस्ट्रिक्ट नोडल ऑफिसर और 1,064 पुलिसकर्मी शामिल हैं। क्षमता निर्माण के मामले में, पोलिंग कर्मियों के लिए ट्रेनिंग का पहला चरण पहले ही सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। दूसरा और तीसरा चरण 29 मार्च से 3 अप्रैल तक निर्धारित है। तीनों एलएसी में कुल 17 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें बोकाजान में 5 उम्मीदवार और होवराघाट तथा डिफू में 6-6 उम्मीदवार हैं। जिला प्रशासन ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

पेट्रोल पंप पर नगांव जिला आयुक्त देबाशीष शर्मा का औचक निरीक्षण

नगांव (निसं)। राज्य के लगभग सभी हिस्सों में पेट्रोल-डीजल की अचानक बढ़ी मांग को ध्यान में रखते हुए नगांव जिले में पेट्रोल-डीजल के भंडारण और आपूर्ति की वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के लिए बीती रात जिला दंडाधिकारी एवं जिला आयुक्त देबाशीष शर्मा ने एक विशेष आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाया। आयुक्त ने शहर के कई पेट्रोल पंपों का अचानक दौरा कर ईंधन वितरण, भंडारण और कीमतों की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें जानकारी मिली कि जिले के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, इसलिए आम जनता को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों और भीड़ के कारण के बारे में पूछे जाने पर पंप संचालकों ने बताया कि अफवाहों के चलते लोगों में डर का माहौल बन गया है, जिसके कारण यह भीड़ देखी जा रही है। अंत में आयुक्त श्री शर्मा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि पूरे जिले में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। हालांकि, कुछ पेट्रोल पंपों पर अस्थायी रूप से ईंधन समाप्त होने से जो असुविधा हुई थी, उसे भी बहुत जल्द ठीक कर लिया जाएगा।

बाक्सा की उपायुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी ने आधिकारिक रूप से *बिलुप्त पिग्मी* का किया अनावरण

गुवाहाटी। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए, बाक्सा की उपायुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी, श्रीमती किमनेई चांगसन ने आज मुशालपुर स्थित डीसी परिसर में आधिकारिक शुभंकर *पिग्मी* का अनावरण किया। यह शुभंकर लुप्तप्राय *पिग्मी हॉग* प्रजाति से प्रेरित है, जिसकी सबसे अधिक संख्या इसी जिले में स्थित मानस राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है। यह पहल एसवीईईपी (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) कार्यक्रम के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाना और चुनावी प्रक्रिया में उनकी अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इस अनावरण कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के समापन के बाद, एसवीईईपी पहल के एक हिस्से के रूप में डीसी परिसर के भीतर वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। एसवीईईपी की निरंतर गतिविधियों के क्रम में, ज्ञानपीठ डिग्री कॉलेज, निकाशी में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य युवा मतदाताओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ना था। यह कार्यक्रम एसवीईईपी की नोडल अधिकारी, श्रीमती धरित्री काकती के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। इस कार्य में सहायक अधिकारियों-जेसिका छेत्री, मेघलिमा गोगोई और स्नेहा पॉल-तथा एसवीईईपी प्रकोष्ठ के कर्मचारियों ने भी सहयोग दिया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, नोडल अधिकारी ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सूचित और सक्रिय भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान, पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने और चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा होने पर गर्व महसूस कराने पर विशेष जोर दिया गया।

रंगिया : एसएसबी ने हर्षोल्लास से मनाया चैत्र नवरात्रि

रंगिया (विभास)। एचके गुप्ता, कमांडेंट, 24वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), के मार्गदर्शन में शुक्रवार को वाहिनी स्थित मंदिर प्रांगण में चैत्र नवरात्रि पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। विधि-विधान से माता दुर्गा की पूजा-अर्चना और हवन किया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। विशेष रूप से कन्या पूजन का आयोजन हुआ, जिसमें छोटी बालिकाओं का पूजन किया गया, उन्हें उपहार व प्रसाद दिए गए तथा आशीर्वाद लिया गया। वाहिनी के अधिकारी, जवान और उनके परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उत्साहपूर्वक भाग लिए। कमांडेंट ने सभी को चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और कहा कि ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन परंपराओं को मजबूत करने के साथ-साथ भाईचारा, एकता व सद्भावना को बढ़ाते हैं। उन्होंने कार्मिकों को कर्तव्यनिष्ठा, सकारात्मक सोच व अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया। अंत में प्रसाद वितरण किया गया। बटालियन के बलकर्मी व संदीक्षा परिवार के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

फकीराग्राम शिव मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम में आज धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का संगम देखने को मिला। स्थानीय फकीराग्राम शिव मंदिर में विधि-विधान के साथ रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इस पावन अवसर को यादगार बनाने के लिए क्षेत्र में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत एक विशाल शोभायात्रा के साथ हुई। मंदिर प्रांगण से शुरू हुई इस शोभायात्रा में फकीराग्राम समाज के सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। गाजे-बाजे और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ यह यात्रा पूरे फकीराग्राम शहर में घूमी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा के पश्चात विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की गई और मंदिर में रामलला को प्रतिष्ठित किया गया। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ-साथ मंदिर परिसर में नवरात्रि पर्व भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने विश्व शांति और क्षेत्र की समृद्धि के लिए आहुतियां दीं। नवरात्रि के उपलक्ष्य में मंदिर समिति द्वारा कन्या

पूजन का आयोजन किया गया, जहां भारी संख्या में कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया और उनका आशीर्वाद लिया गया। कार्यक्रम में फकीराग्राम और आसपास के इलाकों से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि रामलला की स्थापना से क्षेत्र में खुशी की लहर है। मंदिर समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया। शाम तक चले इन धार्मिक अनुष्ठानों ने फकीराग्राम को भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया।

संपादकीय

सर्वदलीय बैठक के मायने

ऐसी सर्वदलीय बैठक के मायने और उसकी सार्थकता ही क्या है, जिसमें न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी उपस्थित हों? ईरान युद्ध के बाद संकट वैश्विक है, कई देशों ने आपातकाल तक घोषित कर दिया है, पाबंदियां भी थोपी जा रही हैं और भारत भी प्रभावित है, लिहाजा ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से जवाब कौन देगा? सत्ता और विपक्ष को सर्वदलीय बैठक में शिद्दत से तमाम मुद्दों पर विमर्श करना चाहिए था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि उसकी राजनीतिक लड़ाई भाजपा से है। यह बैठक भाजपा की नहीं थी, भारत सरकार ने बुलाई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गैर-हाजिर रहे, जबकि वह दिल्ली में ही थे। संभव है कि माता जी सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह न आए हों, लेकिन उन्हें बताना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र में 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। बहरहाल 2019 से एक देश, एक चुनाव, कोरोना वैश्विक महामारी, गलवान संघर्ष, मणिपुर तनाव एवं हिंसा, 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे विषयों पर सर्वदलीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। आखिर क्यों...? क्या प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था और संसदीय प्रणाली से भी 'ऊपर' और अति महत्वपूर्ण हैं? बेशक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेहद अनुभवी राजनेता और मंत्री हैं। मौजूदा कैबिनेट में प्रधानमंत्री के बाद उन्हीं का स्थान है। रक्षा मंत्री समेत गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बैठक में मौजूद थे। वे अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े सवालों के स्पष्टीकरण देने में सक्षम हैं। सवाल तो यह है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी के पास सर्वदलीय बैठक के लिए भी 'समय' नहीं था अथवा यह 'सर्वश्रेष्ठ होने का अहंकार' था? नरेंद्र मोदी, अन्य 542 सांसदों की तरह, एक निर्वाचित सांसद हैं। एक संसदीय समूह ने उन्हें अपना नेता चुना था, जिसके आधार पर वह देश के प्रधानमंत्री बने। जनता प्रत्यक्ष तौर पर प्रधानमंत्री नहीं चुनती, लिहाजा उन्हें लोकतांत्रिक व्यवहार करना चाहिए। वह किसी साम्राज्य के प्रमुख नहीं हैं। ऐसी बैठकों में विपक्ष को कई सवाल, कई जिज्ञासाएं व्यक्त करने का मौका मिलता है। यकीनन प्रधानमंत्री के पास व्यापक और अतिरिक्त जानकारियां भी होती हैं, क्योंकि खुफिया समेत तमाम एजेंसियां और कूटनीतिक स्रोत भी उन्हें 'अपडेट' देते रहते हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री का जवाब, किसी अन्य मंत्री की तुलना में, ठोस और तार्किक होता है। देश भी ऐसे जवाबों से रू-ब-रू होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के दोनों सदनों में, अलग-अलग दिन, ईरान युद्ध से उपजे हालात और भारत की स्थितियों पर वक्तव्य दिए और वह संसद से चले गए। हम नहीं जानते कि संसद में ऐसे नियम हैं अथवा नहीं हैं, संवैधानिक व्यवस्था क्या है, लेकिन हमने चंद्रशेखर और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों को हर समय संसद के प्रति जवाबदेह देखा है। उन्होंने बेहद नाजुक और विवादित मुद्दों पर भी खुलकर जवाब दिए थे। प्रधानमंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह अधिकांश सर्वदलीय बैठकों में शामिल होते थे। हालांकि उन्हें 'दुर्घटनावश प्रधानमंत्री' करार दिया जाता था। मध्य-पूर्व, पश्चिम एशिया संकट पर ही प्रधानमंत्री मोदी संसद में ही उपस्थित क्यों नहीं रहे, ताकि विपक्ष उनसे सवाल कर सकता? प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और शेष विपक्ष के दरमियान बहुत गहरी खाई है, फासले हैं, उन्हें अब नामकरण दिया जाए, हम नहीं जानते, लेकिन ये लोकतंत्र और देश के हित में नहीं हैं। बहरहाल बैठक में ब्रीफ किया गया कि देश में तेल-गैस पर्याप्त हैं, होर्मुज समुद्री मार्ग से ही कुछ और जहाज आ रहे हैं, लेकिन इसका जवाब नहीं दिया कि सड़कों और पेट्रोल पंपों पर जो लंबी कतारें लगी हैं, उन्हें कब तक 'अफवाह' माना जाए? कच्चे तेल का इंडियन बास्केट 30 फीसदी महंगा हो गया है। रूस को हमने 60 मिलियन टन तेल का ऑर्डर बढ़े दामों पर दिया है।

> **प्रधानमंत्री मोदी और न ही नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी उपस्थित हों? ईरान युद्ध के बाद संकट वैश्विक है, कई देशों ने आपातकाल तक घोषित कर दिया है, पाबंदियां भी थोपी जा रही हैं और भारत भी प्रभावित है, लिहाजा ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से जवाब कौन देगा? सत्ता और विपक्ष को सर्वदलीय बैठक में शिद्दत से तमाम मुद्दों पर विमर्श करना चाहिए था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि उसकी राजनीतिक लड़ाई भाजपा से है। यह बैठक भाजपा की नहीं थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गैर-हाजिर रहे, जबकि वह दिल्ली में ही थे। संभव है कि माता जी सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह न आए हों, लेकिन उन्हें बताना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र में 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। बहरहाल 2019 से एक देश, एक चुनाव, कोरोना वैश्विक महामारी, गलवान संघर्ष, मणिपुर तनाव एवं हिंसा, 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे विषयों पर सर्वदलीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। आखिर क्यों...? क्या प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था और संसदीय प्रणाली से भी 'ऊपर' और अति महत्वपूर्ण हैं? बेशक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेहद अनुभवी राजनेता और मंत्री हैं।**

पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

> दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं। आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं। आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक

अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है। हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

देश | दुनीया से

आम आदमी पार्टी की असंवेदनशीलता

राजनीति कितनी क्रूर और असंवेदनशील हो सकती है, इसका एक ताजा उदाहरण पंजाब में एक मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर के किस्से से जाहिर होता है। भुल्लर जिस विभाग के मंत्री थे, उस विभाग में डा. गगनदीप सिंह रंधावा राज्य गोदाम कारपोरेशन में जिला मैनेजर के पद पर काम करते थे। भारत सरकार का खाद्य निगम अन्न भंडारण के लिए गोदामों का निर्माण करता है। उसके लिए टैंडर निकालने, उसके लिए कमेटियां बनाने और टैंडर अलाट तक करने में जो कमेटियां बनती हैं, उनमें राज्य सरकार का प्रतिनिधि भी मेंबर रहता है। आखिर टैंडर अलाट होने के बाद निर्माण कार्य की देखरेख राज्य सरकार के अभिकरणों को ही करनी होती है, इसलिए राज्य सरकार को पूरी प्रक्रिया से जोड़े रखना जरूरी होता है। डा. गगनदीप सिंह इसी भूमिका में था। अब असली कहानी उसके बाद शुरू होती है। गगनदीप सिंह के परिवार के सदस्यों का आरोप है कि महकमे के मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर पहले दिन से ही इस बात की जिद करने लगे कि जैसे भी हो, टैंडर उसके पिता जी को ही मिलना चाहिए। गगनदीप सिंह ने नियमों का और पूरी प्रक्रिया में अपनी सीमित भूमिका का हवाला दिया। अपने उच्च अधिकारियों को भी बताया। लेकिन किसी ने न सुनना था और जिस प्रकार का माहौल बन चुका था, उसमें शायद किसी में सुनने की हिम्मत भी नहीं बचा थी। ऐसा आरोप है कि लाल जीत सिंह भुल्लर की रुचि नियम प्रक्रिया को समझने में नहीं थी, उसकी एकमात्र रुचि अपने पिता को किसी भी तरीके से ठेका दिलवा देने तक सिमट गई थी। उसको अब मछली की आंख ही दिखाई दे रही थी। जब मामले मछली की आंख तक ही सिमट जाए, फिर नियम कायदे बेकार हो जाते हैं। गगनजीत सिंह भुल्लर नियम कायदे से बाहर जा नहीं सकते थे और न ही यह उसके अधिकार क्षेत्र में था। यह कुछ इसी प्रकार का मामला बनता जा रहा था, जैसे कोई ताकतवर आदमी अपने किसी कर्मचारी को कहे कि किसी पड़ोसी के बाग से उसके आम तोडकर लाओ और कर्मचारी यह अनाधिकार चेष्टा करने से इंकार कर दे। उसका कारण भी साफ था। यदि कल वह पड़ोसी के बाग से आम तोड़ता पकड़ा गया तो सजा उसको मिलेगी। उस मालिक को नहीं जिसने उसे धमका कर पड़ोसी के बाग में भेजा था। गगनजीत सिंह के परिवार वालों का कहना है कि मंत्री अपने पिता को ठेका दिलवाने के लिए जिद कर रहा था और गगनदीप सिंह रंधावा यह अनुचित काम करने के लिए तैयार नहीं था। जाहिर है कि सत्ता आदमी को आदमी नहीं रहने देती है। उसका व्यवहार सामान्य नहीं रह पाता। कहा भी गया है, 'प्रभुता पाहीं काही मद नाहीं।' अर्थात कौन ऐसा है जो सत्ता के नशे का शिकार नहीं हो जाता। गगनदीप सिंह के परिवार का आरोप है कि अब यहां तक पहुंचते पहुंचते मंत्री ने गगनदीप को धमकाना शुरू कर दिया, पिता श्री को ठेका न देने से क्या परिणाम हो सकते हैं, इसके बारे में कुछ मौखिक रूप से और कुछ क्रियात्मक रूप से बताना शुरू कर दिया। घर वालों का यह

> गगनदीप सिंह के परिवार के सदस्यों का आरोप है कि महकमे के मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर पहले दिन से ही इस बात की जिद करने लगे कि जैसे भी हो, टैंडर उसके पिता जी को ही मिलना चाहिए। गगनदीप सिंह ने नियमों का और पूरी प्रक्रिया में अपनी सीमित भूमिका का हवाला दिया। अपने उच्च अधिकारियों को भी बताया। लेकिन किसी ने न सुनना था और जिस प्रकार का माहौल बन चुका था, उसमें शायद किसी में सुनने की हिम्मत भी नहीं बचा थी। ऐसा आरोप है कि लाल जीत सिंह भुल्लर की रुचि नियम प्रक्रिया को समझने में नहीं थी, उसकी एकमात्र रुचि अपने पिता को किसी भी तरीके से ठेका दिलवा देने तक सिमट गई थी।

भी आरोप है कि यहां तक धमकियां दी गईं कि यदि पिता को ठेका न मिला तो तुम्हारा दाना पानी भी खत्म हो जाएगा। हद तो यह थी कि मंत्री जिला मैनेजर से वह काम करवाना चाहता था जो जिला मैनेजर के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं था। गगनदीप सिंह की पत्नी का कहना है कि उसके पति को मंत्री ने अपने पास बुला कर उससे मारपीट ही नहीं की, बल्कि यहां तक कह दिया कि यदि काम न हुआ तो तुम्हारा और तुम्हारे परिवार का ऐसा हश्र होगा जिसकी तुमने कल्पना भी नहीं की होगी। डा. गगनदीप रंधावा शायद यह अनुचित दबाव झेल नहीं पाया। उसने शायद अनुमान लगा लिया था कि अब यदि वह जिंदा भी रहा तो सत्ता के मद से ग्रस्त मंत्री उसका जीना मुहाल कर देगा। उसने खुद ही इस संसार से रुखसत हो जाने का निर्णय कर लिया और जहर खाकर आत्महत्या कर ली। जाहिर है सत्ता उन लोगों के हाथ आ गई थी जिनके लिए सत्ता सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी तिजोरियां भरने का माध्यम बन गई है। तिजोरियां भी अहंकार ग्रस्त मानसिकता से सार्वजनिक रूप से डरा धमका कर। इसे एक प्रकार से फिरौती मांगने का नया तरीका कहा जा सकता है। इस बार फिरौती में पिता के नाम पर ठेका मांगा गया था। न मिलने पर हत्या नहीं की गई, बल्कि कहा गया तुम खुद आत्महत्या करो। यह बहुत ही क्रूर और अमानवीय आचरण है। लेकिन इससे जो आगे हुआ, उसने आम आदमी पार्टी को पूरे रूप में नंगा कर दिया। गगनजीत सिंह ने मरने से पहले वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया था जिसमें उसने अपनी आत्महत्या के लिए मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर को जिम्मेवार ठहराया है। लेकिन हैरानी तो तब हुई जब पुलिस इसके बाद भी चुप रही। कथित अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए, इसके लिए भी परिवार को एक प्रकार से धरना ही देना पड़ा। तब कहीं जाकर पंजाब सरकार ने पर्चा दर्ज किया। पर्चा दर्ज करने के बाद पंजाब सरकार फिर सो गई। गगनदीप सिंह के परिवार को एक बार फिर धरना देना पड़ा कि मंत्री और उसके पिता को गिरफ्तार किया जाए। लेकिन इसके लिए आम आदमी पार्टी की सरकार तैयार नहीं थी। मामला लंबा खिंच गया। यहां तक कि लोकसभा में भी यह मामला उठा। लोकसभा में कुछ सांसदों की मांग थी कि पंजाब सरकार तो इस मामले में खुद परोक्ष रूप से एक पार्टी है, इसलिए इस मामले की जांच सीबीआई से करवाई जाए। गृहमंत्री अमित शाह ने कह दिया कि सांसद लिख कर यदि यह मांग करेंगे तो मामला सीबीआई को सौंप दिया जाएगा। तब पंजाब सरकार तुरंत हरकत में आ गई। यदि सीबीआई के पास मामला चला गया तो न जाने इसके तार किस किस से जुड़े मिलने लगेंगे। पंजाब सरकार ने घोषणा कर दी कि मंत्री को पकड़ लिया गया है। और सचमुच उसको पकड़ भी लिया गया। लाल जीत सिंह भुल्लर को भी शायद अनुमान लग गया होगा कि अब उसकी राजनीति खत्म हो गई है। इसलिए उसने अपनी ही सरकार के झूठ का पर्दाफाश कर दिया कि मुझे किसी ने गिरफ्तार नहीं किया, मैंने खुद ही समर्पण किया है। बाकी जहां तक केजरीवाल का सवाल है, वे इस पूरे अमानवीय कांड के बाद भी अपनी कैसेट बजा रहे हैं, हमने तुरंत एक्शन लिया। आम आदमी पार्टी इतनी जल्दी इतनी असंवेदनशील हो जाएगी, ऐसा किसी को अनुमान नहीं था।

आप का | नजरीया

पगड़ियों की माली

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने बजट के बिंदुओं में से जिस विषय को छुआ है, उसका तात्पर्य यही है कि प्रदेश अपने खर्च को कम करना सीखे। दरअसल हिमाचल की योजनाओं में समग्र विकास का औचित्य ही नहीं रहा। यहां मौका मिलते ही दरख्वास्तें बदल जाती हैं और हर विधानसभा क्षेत्र को हर कुछ चाहिए। ऐसे बहुत सारे क्षेत्र हैं, जहां फिजूलखर्ची की शानो-शौकत में नेताओं की फसल पकने लगी है। सियासी श्रम दरअसल सत्ता के उपहार खोजने लगा है और इसी परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक व्यवहार अपने लिए मंच सजाने लगा है। कीर्तिमान बनाने के लिए प्रदेश की आर्थिक बोली लग रही है और जहां पगड़ी की माली हो रही है। अगर पगड़ियों और पुष्प मालाओं का खर्च निकाल दो, तो बचत की सादगी में सुकून मिलेगा। अब तो सार्वजनिक मंच और मेले नेताओं के नाम सजने लगे हैं और जहां आकर्षण यह है कि धन के बल पर अभिनंदन हो रहा है। हिमाचल में नागरिक समाज और गैर राजनीतिक हस्तियों के लिए स्थान ही नहीं मिलता, जबकि हर समारोह की वजह सियासी हो चुकी है। सरकारी स्कूलों के वार्षिक समारोहों का रुतबा अगर नेताओं के साथ न जुड़ता, तो बचत के खाने में कुछ और अंदाज होता। फिर आते हैं शिलान्यास व उद्घाटन समारोह, जहां हर लड्डू किसी न किसी की जेब काट रहा है। इसी सत्र में शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने सड़कों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों पर स्क्रैप के ढेर को कुरेदा तो मालूम हुआ कि चिंता होनी चाहिए। अगर इस कबाड़ को ही हटा दें, तो कोई कबाड़ी हमारी हस्ती सुधार देगा। इससे भी पहले प्रश्न तो व्यवस्था और ठेकेदारी प्रथा से है। अब यह कैसे ठेके और कौन सी पहुंच के ठेकेदार कि निर्माण पूरा होता नहीं और बिल भुगतान तक पहुंच जाते हैं। कोई बताएगा कि खराब सोलर लाइटों के अवशेष कहां गए। खराब ठहराई जा चुकी पेयजल परियोजनाओं की पाइपें कहां-कहां दफन हैं। दवाइयां सरकारी स्टोरों में पड़े-पड़े अपनी उम्र जाया कर देतीं, मगर यह नहीं कि कोई जिम्मेदारी ले। सरकारी क्षेत्र को बचत के लिए निजी क्षेत्र के संयम से सीखना होगा। प्रदेश के भवनों का ऑडिट होना चाहिए। अगर कॉमन पूल के भवन, कॉमन पूल की गाडियां और विभागीय उद्देश्यों में तालमेल हो तो बचत बढ़ सकती है। आश्चर्य यह कि धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत कई विभागों के गेट बनाने में ही लाखों व्यय हो गए। सरकारें निरंतरता में काम करना भूल गई हैं, जबकि इस प्रदेश में सरकारों ने 'मिशन रिपीट' का बोझ प्रदेश की छाती पर रख दिया है। पिछली कई सरकारों के चौथे-पांचवें वर्ष के खर्च का अनुपात सामने लाएं तो मालूम होगा कि कितने ही अनावश्यक फैसलों का गर्द हमारे खजाने में जमा है। अब कुछ समय के लिए 'मोरेटोरियम' शब्द का उच्चारण पॉलिसी के तहत होना चाहिए। राजनीतिक विद्वेष या विरोध के कारण भी हम खाली जेब से अपना श्रेय और विपक्ष का क्लेश पैदा करते हैं। औपचारिकताएं, बैठकों के जलसे और राजनीतिक शगुन के हथकंडे अगर रुके होते तो हमारी नीतियां बोलतीं। सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि स्थायी ट्रांसफर पॉलिसी बनाई जाए। हमने जनापेक्षाओं की खरीद में बजट उजाड़े हैं, वरना किसने कहा कि कुछ यूनिट बिजली फ्री कर दो। किस महिला ने मांग की थी कि उसके लिए बस किराए में छूट दी जाए। जनता सुशासन मांगती है। हर सरकारी पाई का हिसाब जानती है। उसे मालूम है कि सत्ता में होने से पार्टियां किस तरह कुनबे का उत्थान करती हैं। हर विधायक के मार्फत नए ठेकेदार समृद्ध होते हैं, तो अब सत्ता की बदौलत इमारतें ऊंची होती हैं। बेशक हर सरकार ने सोचा कि फिजूलखर्ची रोकी जाए, लेकिन अपनी सत्ता की उम्र देखते हुए ये पड़ाव कभी सफल नहीं हुए। अब हिमाचल में सत्ताओं की पारियां लंबी होनी चाहिएं। जनता के व्यवहार में तबदीली नहीं आई, तो सरकारें यूं ही चुनाव का कर्ज उतारते-उतारते, जनता पर ही उधार चढ़ाती रहेंगी। मितव्ययता एक अनुशासन है और यह केवल सरकारों को नहीं आम नागरिक को भी अपनाना पड़ेगा।

> सियासी श्रम दरअसल सत्ता के उपहार खोजने लगा है और इसी परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक व्यवहार अपने लिए मंच सजाने लगा है। कीर्तिमान बनाने के लिए प्रदेश की आर्थिक बोली लग रही है और जहां पगड़ी की माली हो रही है। अगर पगड़ियों और पुष्प मालाओं का खर्च निकाल दो, तो बचत की सादगी में सुकून मिलेगा। अब तो सार्वजनिक मंच और मेले नेताओं के नाम सजने लगे हैं और जहां आकर्षण यह है कि धन के बल पर अभिनंदन हो रहा है। हिमाचल में नागरिक समाज और गैर राजनीतिक हस्तियों के लिए स्थान ही नहीं मिलता, जबकि हर समारोह की वजह सियासी हो चुकी है। सरकारी स्कूलों के वार्षिक समारोहों का रुतबा अगर नेताओं के साथ न जुड़ता, तो बचत के खाने में कुछ और अंदाज होता। फिर आते हैं शिलान्यास व उद्घाटन समारोह, जहां हर लड्डू किसी न किसी की जेब काट रहा है। इसी सत्र में शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने सडकों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों पर स्क्रैप के ढेर को कुरेदा तो मालूम हुआ कि चिंता होनी चाहिए। अगर इस कबाड़ को ही हटा दें, तो कोई कबाड़ी हमारी हस्ती सुधार देगा। इससे भी पहले प्रश्न तो व्यवस्था और ठेकेदारी प्रथा से है।

कुछ | अलग

ईश्वर से क्या मांगें कि आपको सब कुछ मिल जाए

एक राजा था जिसकी तीन पत्नियां थीं, राजा को तीनों पत्नियों से अत्यन्त प्रेम था। एक दिन राजा ने तीनों रानियों को बुलाकर कहा, 'मैं राज्य से बाहर जा रहा हूं, वापसी में तुम लोगों के लिए क्या लेकर आऊँ।' एक दिन का समय उन तीनों रानियों को दिया गया कि वे सूची बना लें, उन्हें क्या चाहिये। दूसरे दिन तीनों को एक-एक करके बुलाया गया और पूछा गया। पहली रानी ने कहा, 'मुझे गहने और नौलखा हार चाहिये।' दूसरी रानी ने कहा, 'मुझे देश-विदेश के परिधान, वस्त्र चाहिये।' तीसरी रानी ने कहा, 'हे राजन! मुझे कोई वस्तु नहीं चाहिए, न गहने, न वस्त्र, न परिधान चाहिये, मुझे तो केवल आप चाहिये, मैं आपसे आपको ही मांग रही हूं। आपसे कम में मेरी तृप्ति न होगी।' राजा उसके प्रेम-भाव को देखकर अत्यंत प्रसन्न हुआ। जब राजा ने स्वयं को उस रानी को समर्पित किया, तो जाहिर सी बात है, राज्य की समस्त संपदा तीसरी रानी को ही प्राप्त हुई। इसी तरह भक्त अगर ईश्वर से ईश्वर को ही मांगेगा तो उसको सब कुछ अपने आप ही मिल जाएगा। हम सभी जानते हैं कि महाभारत काल में दुर्योधन ने भगवान श्री कृष्ण की नारायणी सेना और अर्जुन ने श्रीकृष्ण को प्राप्त किया। अर्जुन यह जानता था कि स्वयं ईश्वर जिसके साथ है, उसे सफलता, सिद्धि, विजयश्री स्वतः ही मिल जाती है। एकहि साधे सब सधे, सब साधे सब जाए, अगर भगवान को साध लिया, तो सब कुछ अपने आप सध जाएगा। जिसके साथ ईश्वर होते हैं, उसे जीवन के संघर्षों में सफलता अर्जुन की तरह प्राप्त होती है।

दृष्टि | कोण

बढ़ने लगी है विदेशी छात्रों की तादाद

हाल ही में 25 मार्च को वैश्विक उच्च शिक्षा सेवाओं का मूल्यांकन करने वाली अग्रणी कंपनी ब्रिटेन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित 16वीं वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2025 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है। भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। कह सकते हैं कि यह रैंकिंग भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की बढ़ती वैश्विक साख और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा गंतव्य देश बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अब केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पहल के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 2 लाख विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। निःसंदेह, भारत वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित होने की राह पर आगे बढ़ रहा है। अब हर साल बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण कौशल, अनुसंधान सुविधाओं और उच्च शिक्षा के बाद विदेश में ही करिअर के अवसरों को पाने के मद्देनजर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। भारत में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ने की कई वजहें हैं। सरकार ने पिछले कुछ सालों में 'नेशनल एजुकेशन पॉलिसी' (एनईपी) 2020 के जरिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार किए गए हैं। एनईपी के तहत एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड करने, मान्यता देने की व्यवस्था मजबूत करने, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने और डिजिटल एजुकेशन का विस्तार करने का अभियान लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। ऐसे गुणात्मक सुधार से भारत के शिक्षा संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक मान्यता मिल रही है।

वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था को भारत में लाने के मद्देनजर 19 विदेशी यूनिवर्सिटीज को भारत में कैंपस स्थापित करने की इजाजत दी गई है। इससे जिस वैश्विक शिक्षा के लिए पहले छात्रों को विदेश जाना पड़ता था, अब वही शिक्षा आसानी से भारत में ही मिलने की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से विदेशी यूनिवर्सिटीज को भी भारत में बड़ी संख्या में छात्र मिलने का लाभ है। भारत में उच्च शिक्षा की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। चूंकि वैश्विक यूनिवर्सिटीज भारत में डिग्री प्रदान कर सकती हैं, अतएव छात्रों के लिए विदेश जाने के खर्च और अनिश्चितताओं के बिना अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भारत में ही लेना लाभप्रद है। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा के प्रमुख गंतव्य देश, खासकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन नियमों में सख्ती आई है और वीजा जांच के अलावा वित्तीय लागत बढ़ गई है। हाल ही में प्रकाशित अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट की रिपोर्ट मार्च 2026 के मुताबिक पिछले वर्ष जनवरी से अगस्त 2025 के बीच अमेरिका द्वारा परमानेंट रेजिडेंट और टेंपरेरी वीजा मंजूरी में साल भर पहले की तुलना में 11 फीसदी की कमी आई है। इतना ही नहीं अमेरिका में जो छात्र अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी रोजगार ढूंढ़ना मुश्किल हो गया है। सरकार हरसंभव तरीके से भारत को वैश्विक शिक्षा व डिजिटल शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आवंटनों को वैश्विक शिक्षा और अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों के मद्देनजर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस से सम्बद्ध करने संबंधी प्रभावी पहल की गई है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र के फैसले का किया स्वागत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पेट्रोल-डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कमी के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में नरेंद्र मोदी का नेतृत्व देश के लिए सुरक्षा कवच साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में लिखा कि पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क को 13 से घटाकर 3 प्रति लीटर और डीजल पर 10 से घटाकर शून्य करने का निर्णय बेहद सराहनीय है। इस फैसले से देश के लाखों परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम आमजन को वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव से होने वाली अनिश्चितताओं से भी काफी हद तक राहत प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अफवाहों से दूर रहें और एकजुट होकर राज्य व देश की प्रगति में अपना योगदान दें। राजनीतिक और आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, केंद्र सरकार के इस फैसले का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा और महंगाई के दबाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

नागरिकों को सुरक्षित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ते प्रधानमंत्री : शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने का निर्णय जनहित वाला बताया

जोधपुर (हिंस)। पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जनहित में लिया निर्णय बताया। शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया में शेखावत ने कहा कि प्रजा सुखे सुखं राज्ञः (शासन), प्रजानां च हिते हितम यानी प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है और प्रजा के हित में ही उसका हित है। उन्होंने इस सामयिक और निर्णायक कदम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार भी जताया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जब लोगों के कल्याण की बात आती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह सुनिश्चित करते हैं कि समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। नागरिकों को सुरक्षित रखने में कोई कसर न छोड़ी जाए। ऐसे समय में जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। कई देश इसका बोझ अपनी जनता पर डाल रहे हैं। भारत ने एक संतुलित और जिम्मेदार रास्ता अपनाया है। मूल्य वृद्धि के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खुद वहन करके, सरकार ने सुनिश्चित

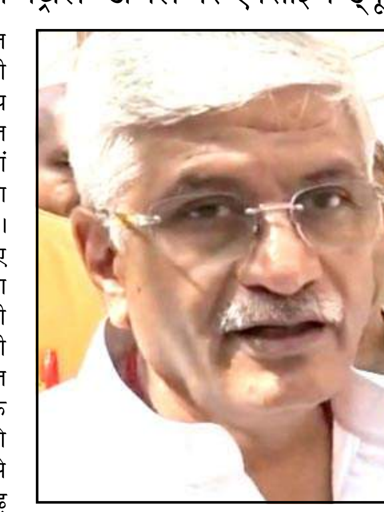

किया है कि ईंधन की कीमतें स्थिर रहें, जिससे आम नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सके। शेखावत ने यह भी कहा कि संकटे बुद्धिः परीक्ष्यते यानी संकट के समय ही बुद्धि की परीक्षा होती है। अनिश्चितता के समय में, बुद्धिमानी शांत रहने, सूचित रहने और एकजुट रहने में निहित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, ऊर्जा, सप्लाई चेन और आवश्यक वस्तुओं से संबंधित वैश्विक घटनाक्रमों के रियल-टाइम पर बारीकी से निगरानी कर रही है। हमारे नागरिकों के लिए निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत आज मजबूती की स्थिति में खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में, हमने स्पष्ट नीतियों और समय पर की गई कार्रवाई के माध्यम से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण वैश्विक स्थितियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। हम इसी संकल्प के साथ इस दौर से भी पार पा लेंगे। लॉकडाउन की अफवाहें उन लोगों द्वारा संचालित एक फेक नैरेटिव के अलावा और कुछ नहीं हैं, जो राष्ट्रीय हित से ऊपर व्यक्तिगत हितों को रखते हैं और लोगों के बीच अनावश्यक डर पैदा करना चाहते हैं। शेखावत ने कहा कि भारत लचीला, तैयार और आत्मविश्वासी है।

पूरा बीमा क्लेम न मिलने पर किसानों ने बैंक के बाहर लगाया धरना

सिरसा (हिंस)। सिरसा जिले के कालांवाली में किसानों ने फसल बीमा का पूरा क्लेम न मिलने पर एचडीएफसी बैंक के बाहर धरना लगाया और पूरा बीमा क्लेम देने की मांग की। किसानों ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत उन्होंने अपनी फसल का बीमा करवाया था, लेकिन उन्हें पूरा क्लेम नहीं मिला। गांव सुखचैन के किसान दारा सिंह ने शुक्रवार को बताया कि उसने कालांवाली के एचडीएफसी बैंक में जुलाई माह में अपने करीब नौ एकड़ फसल का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा करवाया था, जिसके लिए उसके खाते से करीब 20 हजार रुपए काटे गए थे। जबकि उक्त योजना के तहत उसके खाते में बीमा क्लेम की मात्र 37 हजार 407 रुपए की राशि आई, जबकि सरकार द्वारा करीब 22 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से क्लेम दिया गया है। उन्होंने बताया कि उसने बीमा को लेकर पूरे दस्तावेज जमा करवाए थे, परंतु इसके बावजूद भी उसके खाते में करीब डेढ़ एकड़ का ही क्लेम डाला गया।

ट्राला में पीछे से घुसी पिकअप आठ की मौत व 20 घायल

प्रयागराज में मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार और अन्य

कौशाम्बी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में शुक्रवार दोपहर बाद कानपुर-प्रयागराज हाइवे पर श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप वाहन पीछे से ट्राले में घुस जाने से आठ यात्रियों की मौत हो गई है। इसके अलावा बीस लोग घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और जिला प्रशासन अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी है। इस संबंध में सिराथू सामुदायिक केंद्र पर कौशांबी के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि एक पिकअप वाहन में एक परिवार कुछअन्य लोगों के साथ प्रयागराज में किसी बच्चे का मुंडन करा कर पिकअप वाहन से लौट रहा था। तभी डोरमा गांव में पेट्रोल पंप के पास सड़क पर आगे जा रहे एक ट्राला में उनका पिकअप वाहन घुस गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है, जिनमें पांच महिलाएं और तीन बच्चे हैं। हादसे में घायल बीस लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि पिकअप में 28 लोगों के सवार होने की सूचना मिली है। जो फतेहपुर जिले के मलवां क्षेत्र स्थित बड़ोखर गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस जांच पड़ताल में लगी है। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है।

जयपुर की शैक्षणिक यात्रा पर सिक्किम राज्य महिला आयोग

जयपुर (हिंस)। सिक्किम राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष टेनी डोमा भूटिया के नेतृत्व में आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को शैक्षणिक यात्रा पर जयपुर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में सदस्य सकुन राय, जुन्नू छेत्री, ताशी डोमा तमांग, सुनीता सुनवार, पामु शेरपा, रान माया तमांग, रूपा मंगर, नवमित लेप्चा, पारबती आचार्य, देविका बिस्ता तथा सदस्य सचिव योथा लेप्चा शामिल रहे। राजस्थान राज्य महिला आयोग की सदस्य सचिव दीप्ति जोशी ने आयोग के दल का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार सह विशेषाधिकारी समरेन्द्र सिंह सिकरवार ने प्रतिनिधिमंडल को राजस्थान राज्य महिला आयोग की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संरचना एवं महिलाओं से संबंधित नवीनतम कानूनों की विस्तृत जानकारी दी। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान सिक्किम राज्य महिला आयोग के दल ने महिला पुलिस थाना, जयपुर शहर (पूर्व), महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र (पूर्व) तथा वन स्टॉप सेंटर (अपराजिता केंद्र), जयपुरिया अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा, परामर्श सेवाओं एवं पीडि़त सहायता से संबंधित व्यवस्थाओं का अध्ययन कर जानकारी प्राप्त की। दौरे के दौरान दोनों राज्यों के बीच महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा के क्षेत्र में अनुभवों के आदान-प्रदान पर भी चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया कन्या पूजन

जयपुर (हिंस)। रामनवमी के पावन पर्व पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सिविल लाइंस स्थित अपने आवास पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कन्या पूजन कर भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। श्रद्धा, भक्ति और सादगी से परिपूर्ण इस आयोजन में छोटी-छोटी कन्याओं का विधिवत पूजन किया गया, उन्हें स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया और उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया गया। पूरे कार्यक्रम में आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना संपन्न हुई, जिसके बाद उपमुख्यमंत्री ने स्वयं अपने हाथों से कन्याओं को भोजन खिलाया। इस दौरान उन्होंने हर एक बच्ची से आत्मीयता के साथ बातचीत की, उनका हालचाल जाना और उन्हें प्रोत्साहित किया। बच्चों के साथ उनका सहज और स्नेहपूर्ण व्यवहार सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों-मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और धर्मपालन-को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है।

गैस की कमी और बढ़ती कीमतों पर सड़कों पर उतरी कांग्रेस

जयपुर (हिंस)। एलपीजी गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस ने शुक्रवार को शहीद स्मारक पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए जोरदार विरोध जताया। महिला कार्यकर्ताओं ने सिगड़ी पर रोटी बनाकर सांकेतिक प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास सहित कई नेता मौजूद रहे। डोटासरा ने कहा कि 1 अप्रैल से कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर शहर-शहर और गांव-गांव अभियान चलाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल-डीजल पर दी गई राहत का लाभ आम जनता को नहीं, बल्कि कंपनियों को मिल रहा है। साथ ही चेतावनी दी कि चुनावों के बाद महंगाई और बढ़ सकती है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारें व्यवस्था बिगड़ने की बात स्वीकार नहीं कर रही हैं और लगातार ईंधन व गैस के दाम बढ़ाकर आमजन पर बोझ डाल रही हैं। उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज गरीबों को भी गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार देश की वास्तविक स्थिति छिपाने का प्रयास कर रही है।

सांसद नवीन जिंदल ने सड़कों की बदहाल स्थिति पर जताई नाराजगी, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कैथल (हिंस)। जिले में विकास कार्यों में देरी और लापरवाही पर सांसद नवीन जिंदल ने कड़ा रुख अपनाया है। लघु सचिवालय में शुक्रवार को आयोजित जिला विकास, समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी सूरत में देरी और गुणवत्ता में कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी तालमेल से काम करें और फील्ड में जाकर योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लंबित परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। सांसद ने जिले की सड़कों की खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कैथल-चीका रोड सहित कई प्रमुख मार्ग जर्जर हालत में हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। पूंडरी से पाई, ढांड से कुरुक्षेत्र, फ्रांसवाला रोड, कैथल-सिसला धाम मार्ग और तितरम मोड़ से चौधरी छोटू राम चौक सहित कई सड़कों का मुद्दा बैठक में प्रमुखता से उठा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी गड्ढों की जल्द मरम्मत करवाई जाए और जहां नई सड़कें बननी हैं, वहां शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाए। बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई। सांसद ने चीका स्टेडियम का निर्माण कार्य 31 मई तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा गांव क्योड़क में बन रहे लुवास

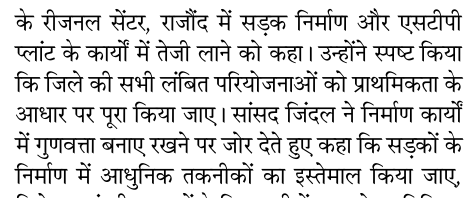

के रीजनल सेंटर, राजौंद में सड़क निर्माण और एसटीपी प्लांट के कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले की सभी लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। सांसद जिंदल ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि सड़कों के निर्माण में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाए, विशेषकर कंक्रीट सड़कों के लिए मशीनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि सड़कें टिकाऊ बनें और जल निकासी की समस्या भी कम हो। ठेकेदारों की जवाबदेही तय करते हुए उन्होंने कहा कि डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के दौरान सड़क की मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की होगी। लापरवाही बरतने पर ठेकेदार की बैंक गारंटी जब्त कर विभाग द्वारा कार्य पूरा करवाया जाएगा। बाढ़ सुरक्षा कार्यों की समीक्षा करते हुए सांसद ने घग्गर नदी और अन्य नहरों व ड्रेनों की समय पर सफाई और डिसिल्टिंग के निर्देश दिए। उन्होंने इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने जिले के स्टेडियमों के कायाकल्प पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं मिल सकें और वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रह सकें।

चंडीगढ़ एयर शो में वायुसेना के विमानों के करतबों ने किया रोमांचित

चंडीगढ. (हिंस)। केंद्रशासित चंडीगढ़ में सुखना लेक पर आज से दो दिवसीय एयर शो शुरू हो गया है। भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण टीम के आसमान में करबत देखकर दर्शक रोमांचित हो गए। वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने आसमान में तिरंगा बनाने के साथ ही डायमंड भी बनाया। इस वायुसेना की टीम में दो पायलट चंडीगढ़ के विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह और दिवाकर शर्मा भी शामिल थे। नगर की सुखना लेक पर सुबह से ही एयर शो को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। इस शो के लिए प्री बुकिंग की व्यवस्था की गई थी। इसलिए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। शो शुरू होने से पहले ही हल्की बारिश शुरू हो गई, लेकिन न तो एयर शो पर कोई व्यवधान पड़ा और न ही दर्शकों के उत्साह में कोई कमी देखने को मिली। एयर शो शुरू होते ही नौ विमान आसमान में नजर

आए। वायुसेना के बीएई हॉक एमके-132 विमानों ने करतब दिखाना शुरू किया। एशिया की मानी हुई नौ विमानों की एरोबैटिक टीम के सदस्यों ने आसमान में डायमंड और अंग्रेजी का कैपिटल ए बनाकर दर्शकों हतप्रभ कर दिया। विमानों ने आसमान में तिरंगा बनाकर देशप्रेम का संदेश दिया। शो के दौरान प्रेसिजन फार्मेशन, लूप्स, रोल्स और डीएनए मूव भी दिखाए गए। एयर शो के दौरान राज्य के मुख्य सचिव राजेश प्रसाद ने भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट क्षमता, अनुशासन और समर्पण की सराहना की। उन्होंने इस भव्य आयोजन में योगदान देने वाले सभी विभागों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को प्रेरित करने और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मौके पर चंडीगढ़ के डीसी निशांत कुमार, हरियाणा की फाइनेंसियल कमिश्नर रेवेन्यु सुनीता मिश्रा सहित तमाम अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। एयर शो के दौरान एनडीआरआफ के जवानों ने सुखना लेक में बोट के जरिए आसमान में पक्षियों पर नजर रखी। एयर शो को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। सुखना लेक 28 मार्च दोपहर तक आम लोगों के लिए बंद रहेगी और केवल पास धारकों को ही प्रवेश मिलेगा। एयर शो का सिलसिला कल, 28 मार्च 2026 को भी जारी रहेगा। इस हवाई प्रदर्शन में पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

फ्रांसीसी कंपनी को जमीन आवंटन में देरी पर सियासत तेज, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में निवेश को लेकर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। फ्रांस की कंपनी सॉफलेट माल्ट इंडिया को जमीन आवंटन में देरी और आ रही परेशानियों को लेकर फ्रांस के राजदूत की चिट्ठी सामने आने के बाद विपक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। रीको की ओर से जमीन आवंटन में देरी और उच्च दरों को लेकर राजदूत ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर कंपनी की समस्याओं के समाधान और बैठक के लिए समय देने का आग्रह किया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पत्र साझा करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री स्तर पर बातचीत के बाद भी निवेश धरातल पर नहीं उतर रहा, तो यह सिस्टम की मंशा पर सवाल खड़े करता है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि निवेशकों को जानबूझकर उलझाकर *सेटिंग* के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कौन फाइलें रोककर बैठा है और किसके इशारे पर निवेश अटकाया जा रहा है। उन्होंने *राइजिंग राजस्थान* अभियान पर भी तंज कसते हुए इसे *राइजिंग कमीशन* करार दिया। वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यह मामला साबित करता है कि राज्य सरकार निवेशकों को आकर्षित करने के बजाय उन्हें हतोत्साहित कर रही है। जूली ने कहा कि जिन निवेश प्रस्तावों पर सहमति बन चुकी है, उनके बावजूद निवेशकों को जमीन के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने इसे प्रदेश की छवि के लिए नुकसानदायक बताते हुए *राइजिंग राजस्थान* अभियान को *जोक ऑफ राजस्थान* तक कह दिया।

गैस किल्लत के बीच प्रशासन की अपील, पीएनजी कनेक्शन चालू करवाएं

कैथल (हिंस)। जिले में गैस किल्लत की समस्या को देखते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की फिटिंग पूरी हो चुकी है, वे अपनी सिक्योरिटी फीस जमा करवाकर कनेक्शन चालू करवा लें। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक वरिंद्र सिंह ने बताया कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड द्वारा जिले में अब तक 33 हजार 396 घरेलू कनेक्शन की फिटिंग की जा चुकी है। इनमें से 10 हजार 617 कनेक्शन सक्रिय हैं, जबकि लगभग 22 हजार 779 उपभोक्ता ऐसे हैं जिनके यहां मीटर लगने के बावजूद गैस का उपयोग शुरू नहीं हुआ है। विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए उपभोक्ताओं से कहा कि वे अपनी सिक्योरिटी जमा करवाते हुए इसे चालू करवाएं। उन्होंने कहा कि पीएनजी गैस, एलपीजी की तुलना में अधिक किफायती और सुरक्षित है। पीएनजी की कीमत लगभग 56.70 रुपए प्रति किलोग्राम है, जबकि एलपीजी की कीमत 65.30 रुपए प्रति किलोग्राम है। इसके अलावा पीएनजी की सप्लाई 24 घंटे निरंतर उपलब्ध रहती है, जिससे उपभोक्ताओं को सिलेंडर खत्म होने की चिंता नहीं रहती। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा 23 मार्च 2026 को जारी निर्देशों के तहत स्पष्ट किया गया है कि जिन घरों में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है, वहां एलपीजी सप्लाई को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जा सकता है। प्रशासन ने आमजन से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करें और जल्द से जल्द पीएनजी कनेक्शन को चालू करवाएं। उन्होंने बताया कि पीएनजी कनेक्शन से जुड़ी किसी भी जानकारी या तकनीकी सहायता के लिए उपभोक्ता कंट्रोल रूम में संपर्क कर सकते हैं। उपभोक्ता सुविधा, सुरक्षा और बचत को ध्यान में रखते हुए पीएनजी गैस का उपयोग शुरू करें और सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।

चैत्र रामनवमी पर मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की आरती उतारी, ढोलक की थाप पर सोहर गाया

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में वासंतिक चैत्र नवरात्र के नवमी तिथि रामनवमी पर शुक्रवार को लमही स्थित सुभाष भवन में मुस्लिम महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ भगवान राम के मूर्ति की आरती उतारी। उर्दू में लिखी राम आरती को मुस्लिम महिलाओं ने गाया। भगवान राम के जन्म पर पाम्परिक सोहर गाए और जय सियाराम का उद्घोष भी किया। महिलाओं ने भगवान राम के तस्वीर की आरती उतारने के पूर्व रंगोली भी बनाई थी। मुस्लिम महिला फाउंडेशन और विशाल भारत संस्थान के संयुक्त पहल पर प्रतिवर्ष की भांति आयोजित इस कार्यक्रम में समाज में भाईचारे और एकता को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाजनीन अंसारी ने कहा कि आज मुस्लिम देश युद्ध, हिंसा और नफरत से जंग लड़ रहे, एक दूसरे को मार रहे है। एक दूसरे को मिटाने पर आमादा है। अगर मुस्लिम देश भगवान राम के रास्ते पर चले तो उनके देश में शांति आएगी और युद्ध रुक जाएगा। भारत की महान संस्कृति ही एक मात्र रास्ता है शांति और प्रेम का। वह भगवान राम के आदर्शों पर चलकर ही सम्भव है। डॉ. नजमा परवीन ने कहा कि हमारा

काम समाज को जोड़ना है, धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वाले भारत का भला नहीं चाहते। विदेशियों के इशारे पर काम करने वाले लोग केवल मुसलमानों को डराकर भारत की संस्कृति और देशभक्ति से दूर करते हैं। अन्य मुस्लिम महिलाओं ने कहा कि हाथों में सजावटी थाल, होठों पर रामनाम का मंत्र और आंखों में भक्ति की चमक उन कट्टरपंथियों को चेतावनी है जो नफरत का जहर घोल कर आपस में हिंसा कराते हैं। आरती और सोहर गाने में रेहाना, सुल्ताना बेगम, शमा परवीन, मुस्कान, रुकसाना बीबी, सबीना, रिजवाना, डॉ. अर्चना भारतवंशी, डॉ. मृदुला, इली, खुशी आदि शामिल रही।

पूर्णिया में रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

पूर्णिया (हिंस)। रामनवमी एवं चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर गुलाबबाग के राममोहिनी चौक स्थित हनुमान मंदिर से बालाजी सेवा संघ की ओर से भव्य और विशाल राम शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में करीब 20 हजार से अधिक रामभक्त शामिल हुए और पूरा शहर *जय श्रीराम* के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा राममोहिनी चौक से निकलकर सनौली चौक, कटिहार मोड़, स्टेशन रोड, सदर थाना, कालीबाड़ी चौक, सराय मंदिर सिटी होते हुए जीरोमाइल तक पहुंची और पुनः वहीं आकर समाप्त हुई। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया। भगवा झंडों और पगड़ी में सजे श्रद्धालुओं के साथ महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। इस बार किन्नर समाज को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल किया जाना विशेष आकर्षण रहा। शोभायात्रा में निकली आकर्षक झांकियां लोगों

के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। अयोध्या के श्रीराम मंदिर की झांकी के साथ सीता-राम, शिव-पार्वती, हनुमान, काली और राक्षस दल की प्रस्तुतियों ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बनारस, कोलकाता और उड़ीसा से आए कलाकारों ने कार्यक्रम में चार चांद लगाए। इस दौरान सदर विधायक विजय खेमका भी शोभायात्रा में पैदल शामिल हुए और हजारों भक्तों के साथ भक्ति भाव में नजर आए। उन्होंने रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है। साथ ही उन्होंने बालाजी सेवा संघ के युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे हर वर्ष इस आयोजन के माध्यम से भगवान राम के संदेश को घर-घर पहुंचा रहे हैं। शोभायात्रा को सफल बनाने में बालाजी सेवा संघ के अध्यक्ष नीतीश वर्णवाल, प्रवक्ता अमन जायसवाल, उपाध्यक्ष अजय झा सहित सभी सदस्यों की अहम भूमिका रही।

अल्ट्राटेक और जेपीएस विवाद खत्म, अडानी समूह को मिली राहत

नई दिल्ली

दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के हाथों में जेपी एसोसिएट्स (जेपीएएल) आने के बाद 10 साल से चले आ रहे विवाद का अंत हो गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट और जेपीएस के बीच उत्तर प्रदेश की डल्ला सुपर यूनिट और संबंधित खानों को लेकर विवाद का समाधान आउट आफ कोर्ट सेटलमेंट के जरिए हुआ।

10 साल से चले आ रहे पुराने विवाद का हुआ अंत

इस फैसले से तीनों पक्षों को लाभ हुआ है। विवाद 2016 में शुरू हुआ, जब अल्ट्राटेक ने यूपी की डल्ला सुपर यूनिट और उसकी खानों को खरीदने के लिए जेपीएस से सौदा किया। डील के तहत यूपी, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में स्थित 6 प्लांट और 5 ग्राइंड यूनिट बेची गई। कुल डील की वैल्यू 16,189 करोड़ रुपये थी।

अल्ट्राटेक ने डल्ला सुपर यूनिट और खानों के लिए जेपीएस को 1 लाख तरजीही शेयर जारी किए, जिनकी कुल कीमत 1,000 करोड़ रुपये थी। ये शेयर एसक्रो अकाउंट में रखे गए और कुछ शर्तें पूरी होने पर ही रिडीम हो सकते थे। विवाद का कारण रिडेम्पशन में देरी और अप्रूवल पेंडिंग शर्त थी।

अल्ट्राटेक ने बताया कि 26 मार्च, 2026 को मध्यस्थता और अंतिम निर्णय के बाद डल्ला सुपर यूनिट और खानों में सभी अधिकार अल्ट्राटेक को मिल गए। इससे जुड़े सभी दावे, आय और जिम्मेदारियां समाप्त हो गई हैं। अब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर रिडीम किए गए और एसक्रो अकाउंट के जरिए सीधे कर्जदाताओं को पैसा मिलेगा। जेपीएस की खरीद के लिए अडानी समूह ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जिसे एनसीएलटी ने मंजूरी दी।

विवाद सुलझने के बाद अडानी समूह पर 1,000 करोड़ रुपये का कैश आउटफ्लो कम हुआ। हालांकि, अल्ट्राटेक की बढ़ी ताकत अब सीमेंट बाजार में अडानी के लिए चुनौती भी बनेगी। अल्ट्राटेक को विवाद के समाधान से डल्ला सुपर यूनिट और खानों पर पूर्ण अधिकार मिला। इससे कंपनी का उत्पादन बढ़ेगा और बाजार हिस्सेदारी मजबूत होगी। वहीं, अडानी समूह अपने मौजूदा प्लांट और अधिग्रहण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

300 की रफ्तार वाली सुपरबाइक्सः कावासाकी की 6 धाकड़ मशीनें, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। दुनियाभर में अपनी तेज रफ्तार और दमदार परफार्मेंस के लिए कावासाकी की निंजा सीरीज जानी जाती है। कंपनी के कई माडल्स अब यहां उपलब्ध हैं, जो स्पीड और टेक्नोलाजी का शानदार मेल पेश करते हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे कावासाकी निंजा एच2 एसएक्स एसई है, जिसे कंपनी की सबसे पावरफुल बाइक माना जाता है। इसमें 998सीसी का सुपरचार्ज्ड इंजन दिया गया है, जो करीब 330 किमी/घंटा की टाप स्पीड हासिल कर सकता है। एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और रडार जैसे फीचर्स इसे हाई-टेक बनाते हैं। वहीं कावासाकी निंजा झेडएक्स-10आर रेसिंग ट्रैक की पसंदीदा बाइक है। इसका 998सीसी इंजन करीब 197बीएचपी की पावर देता है और इसकी टाप स्पीड लगभग 299 किमी/घंटा है। इसकी कीमत करीब 20.79 लाख रुपये है। कावासाकी झेड एच2 एसई एक नेकेड सुपरबाइक है, जिसमें 200बीएचपी की ताकत मिलती है। बिना फेयरिंग के बावजूद यह बाइक करीब 290 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है। मिडल-वेट सेगमेंट में कावासाकी निंजा झेडएक्स-6आर को खास माना जाता है। 636 सीसी इंजन के साथ यह बाइक 260 किमी/घंटा से ज्यादा की रफ्तार पकड़ती है और बेहतरीन कंट्रोल देती है। इसके अलावा कावासाकी निंजा 1100एसएक्स उन राइडर्स के लिए है, जो स्पीड के साथ आराम भी चाहते हैं।

टीवीएस ने स्कूटर के तीन यूनिक आर्ट एडिशन किए लान्च

नई दिल्ली। अपने प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस एक्स को टीवीएस मोटर कंपनी ने नए और रचनात्मक अंदाज में पेश किया। टीवीएस कंपनी ने कलेक्टर्स सारी नाम के विशेष इवेंट में इस स्कूटर के तीन यूनिक आर्ट एडिशन लान्च किए, जिन्हें प्रसिद्ध डिजाइनर मनोवीराज खोसला के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इन एडिशन के जरिए स्कूटर को केवल एक वाहन नहीं, बल्कि कला और डिजाइन के प्रतीक के रूप में पेश किया गया है। इन खास एडिशन की डिजाइनिंग कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है। हर स्कूटर में अलग-अलग कला शैलियों की झलक देखने को मिलती है। किसी माडल में हम्पी की ऐतिहासिक वास्तुकला को उकेरा गया है, तो किसी में छान्नापटना की पारंपरिक लकड़ी की कारीगरी की छाप दिखाई देती है। वहीं एक अन्य एडिशन मैसुरु की शाही विरासत को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करता है। अलग-अलग थीम और रंगों में तैयार ये स्कूटर चलते-फिरते आर्ट पीस की तरह नजर आते हैं। तकनीकी दृष्टि से भी टीवीएस एक्स अपने सेगमेंट में खास माना जाता है। यह स्कूटर एक्लेटान प्लेटफार्म पर आधारित है, जिसमें मजबूत एल्युमिनियम फ्रेम दिया गया है। साथ ही इसमें रैम-एयर कूल्ड मोटर दी गई है, जो बेहतर परफार्मेंस और ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करती है।

ओला इलेक्ट्रिक ने लान्च किया एस1 एक्स स्कूटर, कीमत 49,999 रुपए से

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए एंड आईसीई एज अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत कंपनी अपने एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) माडल की शुरुआती कीमत केवल 49,999 रुपये रख रही है। इसके अलावा पूरे उत्पाद समूह पर 50,000 रुपये तक के लाभ भी मिलेंगे, जो 31 मार्च, 2026 तक मान्य होंगे। ओला इलेक्ट्रिक ने ग्राहकों के लिए सेवा और भरोसे के कई उपाय किए हैं। अब सभी एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल पर 8 साल की विस्तारित वारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही तय समय के भीतर सेवा, खरीद वापसी गारंटी और यदि सेवा में देरी होती है तो फ्री टैक्सी सुविधा भी उपलब्ध होगी। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को लंबी अवधि तक सुविधा और भरोसा देती है। ओला इलेक्ट्रिक के एक अधिकारी के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को फिर से उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। एंड आईसीई एज अभियान का उद्देश्य ग्राहकों को किफायती कीमत, भरोसेमंद सेवा और भविष्य में आसान बदलाव के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित करना है ।

डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को कार्यशील बनाने की जरूरत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से कार्यशील बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। इसका कारण वर्तमान में यह व्यवस्था निष्क्रिय है, जिससे देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित होना पड़ रहा है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधारों को पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में विकास को केंद्र में रखे जाने की बात कही। गोयल 26 मार्च से अफ्रीकी देश कैमरून के याउंडे में आयोजित विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन गोयल ने कहा कि ई-कामर्स व्यापार पर सीमा शुल्क रोक को आगे बढ़ाने के संबंध में सावधानीपूर्वक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, एक निष्क्रिय विवाद निपटान प्रणाली ने सदस्य देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित कर दिया है। हमें स्वचालित और बाध्यकारी विवाद निपटान प्रणाली को बहाल करना होगा।

डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान व्यवस्था 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है क्योंकि अमेरिका ने अपीलीय निकाय में सदस्य देशों की नियुक्तियों में बाधा डाली है। भारत ने सीमा शुल्क स्थगन के दायरे पर चर्चा करने की आवश्यकता पर बार-बार बल दिया है, क्योंकि इससे राजस्व पर प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने कहा, इलेक्ट्रानिक ट्रांसमिशन को लेकर सीमा शुल्क पर स्थगन के दायरे के मामले में सदस्यों के बीच आम सहमति के अभाव में और इसके संभावित महत्वपूर्ण प्रभावों को देखते हुए इस स्थगन के निरंतर विस्तार पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार की आवश्यकता है।

विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों ने 1998 से इलेक्ट्रानिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने पर सहमति व्यक्त की है। इस रोक को समय-समय पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलनों में बढ़ाया गया है। डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 166 सदस्यों का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। डब्ल्यूटीओ सुधारों पर मंत्री ने कहा कि आवश्यक सुधार एक पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने चाहिए। इसमें विकास को केंद्र में रखा जाए और गैर-भेदभाव, आम सहमति आधारित निर्णय लेने और समानता जैसे मूलभूत सिद्धांतों को बनाए रखा जाए। गोयल ने कृषि पर कहा कि खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान काफी समय से लंबित मुद्दे हैं और सदस्य देशों को प्राथमिकता के आधार पर इन पर निर्णय करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत एक व्यापक मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध है जो वर्तमान और भविष्य की मछली पकड़ने की जरूरतों को संतुलित करे, गरीब मछुआरों की आजीविका की रक्षा करे और उचित एवं प्रभावी नियंत्रण एवं परिवर्तन उपायों को लागू करे। गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ रूपरेखा में बहुपक्षीय परिणामों को शामिल करना आम सहमति पर आधारित होना चाहिए। मंत्री ने कहा, हम रचनात्मक रूप से इस बात के लिए प्रयासरत रहेंगे कि डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार का केंद्र बना रहे। हम इसमें सुधार करने का प्रयास करेंगे ताकि यह जवाबदेह बना रहे, विकास, समानता और समावेश के लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हो और आम सहमति और बहुपक्षवाद पर आधारित होकर गरीब, कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोगों के हितों की बेहतर सेवा कर सके। मसी14 बैठकों के पहले दिन के दौरान गोयल ने कैमरून के प्रधानमंत्री डायोन न्गूटे जोसेफ से मुलाकात की और भारत-कैमरून सहयोग को और मजबूत करने के उपायों सहित द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री ने विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें चर्चाएं मुख्य रूप से एमसी14 के एजेंडे पर केंद्रीत रहीं। एचसीआईएम ने नीदरलैंड, फ्रांस और इथियोपिया के अपने समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें कीं और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

पेट्रोल डीजल की घट सकती है कीमत

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के कारण केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती करने का फैसला किया है। पेट्रोल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद पेट्रोल पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये प्रति लीटर से घट कर तीन रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसी तरह डीजल पर लगे वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को शून्य कर दिया गया है। पहले डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की दर से स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी वसूली जाती थी। केंद्र सरकार के इस कदम से उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद की जा रही है।

आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की सप्लाई पर प्रतिकूल असर पड़ा है। हार्मुज स्ट्रेट के रास्ते होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई लगभग ठप हो गई है। इसकी वजह से मांग की तुलना में आपूर्ति काफी घट गई है, जिसने और कच्चे तेल की कीमत में काफी इजाफा हो गया है। इस जंग में खाड़ी के कई देशों पर भी हमला होने की वजह से भी कच्चे तेल की सप्लाई पर काफी बुरा असर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने के कारण आयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) पर दबाव बढ़ गया है। कुछ दिन पहले ही सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर दो रुपये से अधिक की बढ़ोतरी कर दी थी। वहीं बल्क यानी इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत में भी बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में प्रीमियम 95 आक्टेन पेट्रोल की कीमत 99.89 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 101.89 रुपये हो गई, जबकि बल्क यानी इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत 87.67 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 109.59 रुपये कर दी गई। इसी तरह प्राइवेट सेक्टर की सबसे बड़ी फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने देश में पेट्रोल के दाम में पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी थी। इस बढ़ोतरी के बाद देश के अलग-अलग राज्यों में नायरा एनर्जी के 6,967 पेट्रोल पंप पर राज्य सरकार द्वारा लगाए जाने वाले वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) और दूसरे स्टेट टैक्स के कारण नायरा एनर्जी के पेट्रोल की कीमत में 5.30 रुपये तक का इजाफा हो गया था। भारत कच्चे तेल की कुल जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार से मांगता है। इस आयात का भी बड़ा हिस्सा हार्मुज स्ट्रेट के रास्ते समुद्री मार्ग से आता है।

कई कंपनियां 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ कार लॉन्च की तैयारी में

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में आने वाले महीनों में कई बड़ी कंपनियां अपनी लोकप्रिय कारों को 8-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स के साथ लान्च करने की तैयारी में हैं। वर्तमान में यह सुविधा केवल महंगी और लग्जरी गाड़ियों तक सीमित थी, लेकिन अब मिड-रेंज सेगमेंट में भी इसकी एंट्री होने जा रही है। इस कड़ी में एमजी मोटर इंडिया अपनी नई प्रीमियम एसयूवी मेजेस्टर को लान्च करने की तैयारी में है, जिसमें 2.0 लीटर ट्विन-टर्बो डीजल इंजन के साथ 8-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स दिया जाएगा। वहीं रिनाल्ट डस्टर का नया हाइब्रिड वर्जन भी इसी तकनीक के साथ आने की उम्मीद है, जो बेहतर माइलेज और स्मूद ड्राइविंग का संतुलन पेश करेगा। इसके अलावा निसान मोटर की अपकमिंग टेक्टन एसयूवी और उसका 7-सीटर वर्जन भी 8-स्पीड हाइब्रिड गियरबाक्स के साथ बाजार में उतर सकते हैं। स्कोडा और फाक्सवैगन भी अपने पोर्टफोलियो को अपडेट करते हुए नए गियरबाक्स को शामिल करने की योजना बना रहे हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

सिर्फ एक दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में एक बार फिर गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सोना 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में युद्ध के थमने या जारी रहने की बात को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

ईरान द्वारा अमेरिका की ओर से आए युद्ध विराम की शर्तों को पूरी तरह से खारिज कर देने और अमेरिका की ओर से पांच दिन तक ईरान के पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला नहीं करने की समय सीमा समाप्ति के करीब पहुंच जाने की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में डर का माहौल बना रहा। इस डर की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि दिन का कारोबार खत्म होने के बाद अमेरिका द्वारा ईरान के पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला नहीं करने की समय सीमा को और पांच दिन बढ़ा देने के बाद डाउ जान्स फ्यूचर्स ने मजबूती दिखा कर इस ऐलान का स्वागत किया। पिछले सत्र के कारोबार में डर के माहौल की वजह से एस एंड पी 500 इंडेक्स 114.74 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,477.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 521.74 अंक यानी 2.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,408.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। वहीं बाजार के मूड में सुधार आने पर डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 217.96 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,178.07 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 134.67 अंक यानी 1.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,972.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.99 प्रतिशत टूट कर 7,769.31 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 344.11 अंक यानी 1.52 प्रतिशत लुढ़क कर 22,612.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 148.57 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,005 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत उछल कर 1,450.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,899.12 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,898.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 251 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,027 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 211.65 अंक यानी 0.39 प्रतिशत लुढ़क कर 53,392 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 102.95 अंक यानी 1.92 प्रतिशत फिसल कर 5,357.51 अंक के स्तर पर आ गया है।

जाकिर नाइक से मुलाकात पर विवादों में मेहदी हसन मिराज, सोशल मीडिया पोस्ट बना चर्चा का कारण

नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के आलराउंडर मेहदी हसन मिराज हाल ही में एक नए विवाद में घिर गए हैं। मिराज की मुलाकात खुद को इस्लामिक स्कालर बताने वाले जाकिर नाइक से हुई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इस मुलाकात के बाद उठे विवाद ने खेल और धर्म के संबंध को लेकर नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, जाकिर नाइक ने मिराज के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में उन्हें मुस्लिम स्पोर्ट्समैन बताया। इसी शब्दावली को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आलोचकों का मानना है कि खेल को धर्म के आधार पर बांटना उचित नहीं है, क्योंकि खेल की मूल भावना सभी सीमाओं से परे होती है। एक खिलाड़ी की पहचान उसके प्रदर्शन और खेल भावना से होती है, न कि उसके धर्म से। विवाद को और हवा तब मिली जब मिराज ने खुद भी इस मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। उन्होंने पोस्ट में जाकिर नाइक को अपना पसंदीदा इस्लामी विद्वान बताते हुए उनके ज्ञान और शांति के संदेश की सराहना की। मिराज ने लिखा कि बचपन से ही उनकी इच्छा थी कि वे एक बार उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलें, जो अब पूरी हो गई है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस और तेज हो गई है। गौरतलब है कि जाकिर नाइक भारत में विवादित व्यक्तित्व रहे हैं और उन पर आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को भड़काने जैसे गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसी वजह से उनकी किसी भी सार्वजनिक हस्ती से मुलाकात अक्सर विवाद का विषय बन जाती है। हालांकि, इस पूरे विवाद के बीच मिराज के क्रिकेट करियर पर नजर डालें तो वह बांग्लादेश टीम के एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 56 टेस्ट, 117 वनडे और 34 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 2 शतक और 9 अर्धशतकों की मदद से 2164 रन बनाए हैं, साथ ही गेंदबाजी में 210 विकेट भी हासिल किए हैं। वनडे में उनके नाम 1791 रन और 126 विकेट दर्ज हैं, जबकि टी20 फार्मेट में उन्होंने 418 रन बनाने के साथ 18 विकेट लिए हैं। फिलहाल यह देखना दिलचस्प होगा कि इस विवाद का मिराज की छवि और उनके क्रिकेट करियर पर क्या असर पड़ता है, लेकिन इतना तय है कि यह मामला अभी कुछ समय तक चर्चा में बना रह सकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 प्लेआफः टोनाली चमके, इटली ने नार्दर्न आयरलैंड को 2-0 से हराया

बर्गामो। चार बार की विश्व चैंपियन इटली राष्ट्रीय फुटबाल टीम ने फीफा विश्व कप 2026 प्लेआफ सेमीफाइनल में नार्दर्न आयरलैंड राष्ट्रीय फुटबाल टीम को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ इटली अब 12 साल बाद विश्व कप में वापसी से सिर्फ एक कदम दूर है। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में इटली ने आक्रामक खेल दिखाया। 56वें मिनट में मिडफील्डर सैंड्रो टोनाली ने बाक्स के बाहर से शानदार शाट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। उन्होंने क्लियर किए गए क्रास पर तेजी से प्रतिक्रिया देते हुए गेंद को एक बाउंस के बाद सीधे गोलपोस्ट के निचले कोने में पहुंचा दिया। इसके बाद 80वें मिनट में फारवर्ड मोइज कीन ने टोनाली के पास पर शानदार मूव बनाते हुए डिफेंडर को छकाया और सटीक लो शाट लगाकर मैच पूरी तरह इटली के पक्ष में कर दिया। अब इटली का सामना फाइनल में वेल्स राष्ट्रीय फुटबाल टीम और बोस्निया और हर्जेगोविना राष्ट्रीय फुटबाल टीम के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। यह मैच अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में जून-जुलाई में होने वाले विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए निर्णायक साबित होगा।

एशियाई खेलों की तैयारी तेज, गोरखपुर में भारतीय महिला रोइंग टीम का राष्ट्रीय कैंप शुरू

गोरखपुर। एशियाई खेल 2026 की तैयारियों को मजबूत करने के लिए भारतीय महिला रोइंग टीम का

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से गोरखपुर में शुरू हो गया। यह कैंप रामगढ़ ताल स्थित वाटर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर भारतीय रोइंग महासंघ के अनुरोध पर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए खिलाड़ियों को तैयार करना है। भारतीय रोइंग महासंघ के उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश रोइंग संघ के सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि चयनित खिलाड़ी और कोच गोरखपुर पहुंच चुके हैं और प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। रोइंग स्पर्धाएं 20 से 25 सितंबर के बीच गिफू प्रांत के काइजू शहर स्थित नगरागावा इंटरनेशनल रेगाटा कोर्स में आयोजित होंगी। उन्होंने बताया कि यह 51 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर है, जो उत्तर प्रदेश में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। इसमें खिलाड़ी सिंगल स्कल्स, डबल स्कल्स, पेयर्स और फोर्स जैसी विभिन्न श्रेणियों में अभ्यास करेंगे। इस बीच, पुरुष रोइंग टीम का राष्ट्रीय कैंप पहले से ही पुणे के आर्मी नोड में चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार, रामगढ़ ताल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। यहां का शांत जल खिलाड़ियों की तकनीक सुधारने और प्रदर्शन बेहतर करने में मदद करेगा।

मियामी ओपन 2026ः कोको गाफ का शानदार प्रदर्शन, मुचोवा को हराकर फाइनल में पहुंचीं

मैक्सिको सिटी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ ने दमदार खेल दिखाते हुए मियामी ओपन

2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में गाफ ने चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को एकतरफा अंदाज में 6-1, 6-1 से हराया। विश्व नंबर-4 गाफ की शुरुआत भले ही धीमी रही और मुचोवा ने पहला गेम ब्रेक करते हुए बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद मुकाबले में गाफ का पूरी तरह दबदबा देखने को मिला। उन्होंने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और फिर लगातार गेम जीतते हुए पहला सेट एकतरफा तरीके से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी मुचोवा लय हासिल नहीं कर सकीं। उनसे कई अनफोर्स्ड एरर हुए, जिसका पूरा फायदा उठाते हुए गाफ ने तीन बार उनका सर्विस ब्रेक किया और मुकाबले को आसानी से जीत लिया। इस जीत के साथ गाफ ने मुचोवा के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकार्ड 6-0 कर लिया है। मुचोवा इस मुकाबले से पहले शानदार फार्म में थीं। उन्होंने इस सीजन दोहा में खिताब जीता था और मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में विक्टोरिया म्बोको को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची थीं, लेकिन गाफ के सामने उनका प्रदर्शन फीका रहा। अब फाइनल में कोको गाफ का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका से होगा, जहां दोनों खिलाड़ियों के बीच खिताब के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

एशिया कप तीरंदाजी : कंपाउंड में शानदार प्रदर्शन, भारत के खाते में अब तक चार पदक

नई दिल्ली

एशिया कप-विश्व रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट (स्टेज-1) में भारतीय तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को कंपाउंड वर्ग में मिक्स्ड टीम स्वर्ण और महिला टीम रजत पदक जीतकर भारत ने कुल पदकों की संख्या चार कर ली है। अब भारत के पास एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं। इससे पहले बुधवार को महिला रिकर्व टीम और पुरुष कंपाउंड टीम ने कांस्य पदक जीते थे। भारतीय दल को दिन में आगे होने वाले मुकाबलों में चार और पदकों की उम्मीद है। इनमें महिला रिकर्व व्यक्तिगत (रिधि फोर), पुरुष रिकर्व टीम और पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा शामिल हैं, जिसमें आल-इंडिया फाइनल देखने को मिलेगा।

मिक्स्ड टीम ने जीता स्वर्ण

सुबह के सत्र में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम की जोड़ी चिकिथा तानिपर्थी और रजत चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में मलेशिया को 158-156 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मुकाबला बेहद करीबी रहा, जहां भारत ने 16 तीरों में सिर्फ दो अंक गंवाए, जबकि मलेशिया से चार अंक छूटे।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआत में लगातार चार बार 10 का स्कोर करते हुए बढ़त बनाई और अंत तक लय बनाए रखी। तीसरे राउंड के बाद भारत 118-117 से आगे था। हालांकि मलेशियाई जोड़ी ने तीसरे राउंड में 40 का परफेक्ट स्कोर बनाकर वापसी की कोशिश की, लेकिन अंतिम राउंड में चिकिथा और रजत ने दबाव में चारों तीर 10 पर लगाए और मैच अपने नाम कर लिया।

यह जीत खास इसलिए भी रही क्योंकि पिछले संस्करण में भारत मिक्स्ड टीम स्पर्धा में कोई पदक नहीं जीत पाया था।

महिला टीम को मिला रजत पदक

वहीं, भारतीय महिला कंपाउंड टीम को फाइनल में कजाकिस्तान से 227-229 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में चिकिथा तानिपर्थी, राज कौर और तेजल साल्वे शामिल थीं।

भारत ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत करते हुए 12 तीरों के बाद 115-113 की बढ़त बना ली थी। लेकिन तीसरे राउंड में भारतीय टीम का प्रदर्शन थोड़ा कमजोर रहा, जहां उन्होंने 54 का स्कोर किया, जबकि कजाकिस्तान ने 58 अंक जुटाकर बढ़त बना ली। अंतिम राउंड 58-58 से बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन तीसरे राउंड की बढ़त के चलते कजाकिस्तान ने मैच जीत लिया।

हालांकि, यह प्रदर्शन भारत के लिए पिछले संस्करण के कांस्य पदक से बेहतर रहा, जहां इस बार टीम ने रजत पदक हासिल किया।

भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है और अब सभी की नजरें बाकी मुकाबलों पर टिकी हैं, जहां देश को और पदक मिलने की उम्मीद है।

विश्व कप से पहले स्पेन का आखिरी अभ्यास मैच पेरू से, मेक्सिको में होगा मुकाबला

नई दिल्ली। स्पेन की फुटबाल टीम फीफा विश्व कप 2026 से पहले अपने अंतिम वार्म-अप मैच में पेरू का सामना करेगी। रायल स्पैनिश फुटबाल फेडरेशन ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। यह मुकाबला 8 जून को मेक्सिको के शहर पुएब्ला में खेला जाएगा। यह मैच यूरोपीय चैंपियन स्पेन के लिए विश्व कप अभियान शुरू होने से पहले आखिरी तैयारी का मौका होगा। स्पेन अपने पहले मैच में ग्रुप-एच में केप वर्डे के खिलाफ अटलांटा में उतरेगा। स्पेन इस महीने दो अन्य फ्रेंडली मैच भी खेलेगा, जिसमें सर्बिया और मिस्र के खिलाफ मुकाबले शामिल हैं। इससे पहले अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाला फाइनलिसिमा मुकाबला कतर में प्रस्तावित था, लेकिन ईरान युद्ध के चलते इसे रद्द कर दिया गया। फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी इस बार मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा मिलकर कर रहे हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगी, जहां दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

अवस्थी मेमोरियल प्राइज़ मनी क्रिकेट टूर्नामेंटः द आर्यंस व सैंट पाल की टीम जीती

मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के डायरेक्टर व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि डीएसए मुरादाबाद एवं अवस्थी मेमोरियल कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अवस्थी मेमोरियल प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन शुक्रवार को ग्रुप ए के दो मुक़ाबले खेले गये।

पहला मुक़ाबला रुक्मणी क्रिकेट अकैडमी और द आर्यंस क्रिकेट अकैडमी के बीच और दूसरा मुक़ाबला सैंट पाल क्रिकेट अकैडमी और एमपीएस क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया। जिसमें द आर्यंस क्रिकेट अकैडमी ने 5 विकेट से जीत व सैंट पाल क्रिकेट अकैडमी ने 111 रन से जीत हासिल की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए रुक्मणी क्रिकेट अकैडमी 19.1 ओवर में 117 रन बनाकर आल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए द आर्यंस क्रिकेट अकैडमी ने 15.1 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैन आफ द मैच सतीश गौतम को चुना गया।

दूसरा मुक़ाबला सैंट पाल क्रिकेट अकैडमी और एमपीएस क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया। टास जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सैंट पाल क्रिकेट अकैडमी ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 160 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एम पी एस क्रिकेट अकैडमी 13.3 ओवर में मात्र 49 रन बनाकर आल आउट हो गई। मैन आफ़ द मैच यश व्यास को चुना गया।

अम्पायर की भूमिका में रईस अहमद व शमशाद अल्वी रहे। कमेंट्री नज़ाकत अली ने की। स्कोरर चन्द्र प्रताप रहे। मैच के दौरान डीएसए सचिव विजय गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीक़ी, मोहम्मद हसीन, मिर्जा दानिश आलम, सलीम ख़ान, आदि रहे।

आरसीबी की बिक्री से यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयरधारकों को बड़ा फायदा संभव

नई दिल्ली। यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) द्वारा अपनी इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बेचने की योजना से कंपनी के शेयरधारकों को बड़ा वित्तीय लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म नोमूरा के मुताबिक, इस सौदे के बाद निवेशकों को प्रति शेयर 196 रुपये तक का विशेष लाभांश मिल सकता है, जो एक बड़ी एकमुश्त कमाई का संकेत है। यह अनुमान उस प्रस्तावित समझौते पर आधारित है, जिसके तहत यूएसएल अपनी सहायक कंपनी रायल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (आरसीएसपीएल) में 100 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इस डील का एंटरप्राइज वैल्यूएशन 16,660 करोड़ रुपये आंका गया है, जो अब तक किसी भी आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ऊंचा मूल्यांकन माना जा रहा है। इस सौदे में संभावित खरीदारों के कंसोर्टियम में आदित्य बिड़ला ग्रुप, द टाइम्स ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। नोमूरा के अनुसार, अंतिम लाभांश इस बात पर निर्भर करेगा कि कंपनी अपनी आय का कितना हिस्सा शेयरधारकों में बांटती है। यदि यूएसएल पूरी आय का वितरण करती है, तो प्रति शेयर 196 रुपये का लाभांश संभव है, जबकि 50 प्रतिशत राशि अपने पास रखने की स्थिति में यह आंकड़ा लगभग 98 रुपये प्रति शेयर रह सकता है।

एशियाई खेल 2026 : एकेएफआई और मशाल स्पोर्ट्स का हाई-परफार्मेंस कैंप शुरू

नई दिल्ली

एशियाई खेल 2026 की तैयारियों को मजबूत करने के लिए भारतीय कबड्डी में बड़ा कदम उठाया गया है। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन आफ इंडिया (एकेएफआई) और मशाल स्पोर्ट्स के सहयोग से देश के शीर्ष पुरुष और महिला संभावित खिलाड़ियों के लिए हाई-परफार्मेंस स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कैंप आयोजित किया जा रहा है। यह कैंप कर्नाटक के बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट में 27 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा।

इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों की फिटनेस, प्रदर्शन क्षमता और दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। आधुनिक प्रशिक्षण तकनीकों और वैज्ञानिक सपोर्ट सिस्टम के जरिए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया जाएगा। एकेएफआई के अध्यक्ष विभोर विनीत जैन ने कहा कि यह पहल भारतीय कबड्डी के स्तर को और ऊंचा उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि मशाल स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी से खिलाड़ियों को प्रोफेशनल माहौल, आधुनिक ट्रेनिंग और हाई-परफार्मेंस सपोर्ट मिलेगा, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए जरूरी है। इस कैंप में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के कई स्टार खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें नवीन कुमार, अर्जुन देशवाल, पवन सहरावत, असलम इनामदार, सुनील कुमार, आशु मलिक और भारत हुड्डा जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। वहीं महिला टीम में भारतीय महिला कबड्डी वर्ल्ड कप विजेता टीम की कप्तान रितु नेगी के साथ सोनाली विष्णु शिंगाटे, पुष्पा राणा, चंपा ठाकुर, पिंकी राय, प्रिया और कार्तिका आर जैसे खिलाड़ी इस कैंप का हिस्सा हैं।

यह कैंप भारतीय कबड्डी टीम को एशियाई खेल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा।

राजमिस्त्री की बेटी मोनिखा सोनोवाल ने दर्द और आत्म-संदेह को हराकर जीता केआईटीजी वेटलिफ्टिंग गोल्ड

रायपुर

शायद वह अभी कंस्ट्रक्शन साइट पर व्यस्त होंगे, मोनिखा सोनोवाल ने मुस्कुराते हुए कहा, जब वह अपने पिता को फोन लगाने की कोशिश कर रही थीं। कुछ ही क्षण पहले 19 वर्षीय मोनिखा ने यहां जारी पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में महिलाओं के 48 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था और यह खुशखबरी अपने पिता को देना चाहती थीं।

उनके पिता पद्मधर सोनोवाल एक राजमिस्त्री हैं, जो चार सदस्यों के परिवार का पालन-पोषण करने के लिए दिनभर कड़ी मेहनत करते हैं। मोनिखा की खेल यात्रा में वे हमेशा उनकी सबसे बड़ी ताकत रहे हैं।

दो बहनों में बड़ी मोनिखा असम के धेमाजी जिले के बटघोरिया पेनबेनी चौक की रहने वाली हैं। ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर बसे इस शांत इलाके की दूरी गुवाहाटी से लगभग 425 किलोमीटर है। यहां जीवन शांत और साधारण है,

जहां ज्यादातर परिवारों के सपने रोजमर्रा की जरूरतों तक ही सीमित रहते हैं।

लेकिन मोनिखा के लिए वेटलिफ्टिंग हाल में बजने वाली बारबेल की आवाज एक ऐसे सपने की शुरुआत थी, जो सीमाओं में बंधने को तैयार नहीं था। सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के प्रति उनकी जिज्ञासा धीरे-धीरे जुनून में बदल गई, जिसे पड़ोसी राज्य मणिपुर की टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू से प्रेरणा मिली।

और गुरुवार को वही सपना हकीकत में बदल गया, जब उन्होंने घुटने की चोट के बावजूद संघर्ष करते हुए खेलों का पहला वेटलिफ्टिंग स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह जीत उनके वर्षों की मेहनत का परिणाम थी।

उनके सफर में एक बड़ा मोड़ दो साल पहले आया, जब उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण के नेशनल सेंटर आफ़ एक्सीलेंस ईटानगर में प्रवेश लिया। कचारी जनजाति से आने वाली मोनिखा ने कहा, एनसीओई ईटानगर ने मुझे वह सब कुछ दिया, जिसका मेरे जैसे छोटे गांव की खिलाड़ी केवल सपना देख सकती थी—बेहतर ट्रेनिंग, पोषण, मार्गदर्शन और चोट से उबरने की सुविधा। इस सहयोग के बिना यहां तक पहुंचना बहुत मुश्किल था। इसके बाद उनकी प्रगति लगातार होती रही। 2023 में उन्होंने स्कूल नेशनल्स में स्वर्ण पदक जीता। 2024 में ओडिशा के संबलपुर में आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता लीग में रजत पदक हासिल किया। 2025 में तेजपुर में राज्य चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और चंडीगढ़ में इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में आठवां स्थान प्राप्त किया। हालांकि, इस उपलब्धि का रास्ता आसान नहीं था। पिछले तीन महीनों से मोनिखा अपने दाहिने घुटने की चोट से जूझ रही थीं, जो उन्हें ट्रेनिंग के दौरान लगी थी। चोट को देखते हुए उनके कोचों ने उन्हें खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में हिस्सा न लेने की सलाह दी थी, लेकिन 19 वर्षीय मोनिखा ने इस मौके को हाथ से जाने नहीं दिया और दर्द के बावजूद मैदान में उतरने का फैसला किया। मोनिखा ने कहा, मेरे कोच मेरे घुटने को लेकर चिंतित थे और उन्होंने कहा था कि आराम करना बेहतर होगा। लेकिन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसे मौके बार-बार नहीं आते। मैं इतने बड़े मंच पर खेलने का अवसर गंवाना नहीं चाहती थी। मोनिखा ने आगे कहा, मैं लगातार बेहतर बनना चाहती हूं और एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती हूं।

म्यूजिक में कॅरियर की थिरकन

यदि आपमें नेचरल टैलन्ट है, तो यह आपके लिए एक गिफ्ट के समान है, लेकिन आप नियमित रियाज के साथ-साथ ट्रेनिंग या फिर किसी अच्छे इंस्टीट्यूट में दाखिला लेकर भी इस फील्ड में कॅरियर का बेहतर आगाज कर सकते हैं।

एक समय म्यूजिक को मनोरंजन का एकमात्र साधन माना जाता था, लेकिन अब म्यूजिक कॅरियर का बहुत बड़ा विकल्प बन गया है। दरअसल, उन दिनों लोग संगीत को हॉबी के रूप में ही ज्यादा अपनाते थे, लेकिन अब भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री की फिजा तेजी से बदल रही है और इसीलिए अब संगीत को हॉबी तक ही सीमित न रखकर, कॅरियर के रूप में भी अपनाया जा रहा है। इन दिनों तमाम टेलीविजन चैनल्स पर आने वाले म्यूजिकल टैलन्ट हंट शो के प्रति युवाओं में जबर्दस्त क्रेज देखा जा रहा है। शायद यह भी एक वजह है कि युवा-वर्ग इसे फुल-टाइम कॅरियर के रूप में अपनाने लगे हैं।

फील्ड से जुड़े कोर्सेस

बारहवीं के बाद आप म्यूजिक फील्ड से जुड़े कोर्सेस में एडमिशन ले सकते हैं, वहीं आप चाहें, तो सर्टिफिकेट कोर्स, बैचलर कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और पोस्ट ग्रेजुएट लेवल के कोर्स भी कर सकते हैं। अमूमन सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि एक वर्ष, बैचलर डिग्री कोर्स की तीन वर्ष और पोस्ट ग्रेजुएट लेवल कोर्स की अवधि दो वर्ष की होती है।

कॅरियर प्रास्पेक्टस

संगीत की दुनिया में आप टीचिंग, सिंगिंग, म्यूजिशियन, रिकॉर्डिंग, कंसर्ट, परफॉर्मर, लाइव शो, डिस जॉकी, वीडियो जॉकी और रेडियो जॉकी के रूप में भी कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं। क्लासिकल, फॉक, गजल, पॉप, फ्यूजन आदि के क्षेत्र में भी भरपूर अवसर हैं। इसके अलावा, कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं, जहां संगीत से जुड़ी प्रतिभा को नई बुलंदियों तक पहुंचा सकते हैं।

बेहतरीन अवसर

कॉपीराइटर, रिकॉर्डिंग टेक्नीशियन, इंस्ट्रूमेंट मैन्युफैक्चरिंग, म्यूजिक थेरेपी, प्रोडक्शन, प्रमोशन आदि क्षेत्र में बेहतरीन अवसर हैं। जहां तक जॉब की बात है, तो आप एफएम चैनल्स, म्यूजिक कंपनी, प्रोडक्शन हाउस, म्यूजिक रिसर्च ऑर्गनाइजेशन, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, गवर्नमेंट कल्चरल डिपार्टमेंट, म्यूजिक चैनल आदि में कोशिश कर सकते हैं।

बन सकते हैं मिलिनेअर

म्यूजिक एक ऐसा क्षेत्र है, जहां वेतन का कोई तय पैमाना नहीं है। यदि आप अच्छे परफॉर्मर और म्यूजिशियन हैं, तो मिलिनेअर बनने में देर नहीं लगेगी। हालांकि इस क्षेत्र में आरजे, वीजे, रेडियो जॉकी के रूप में कॅरियर की शुरुआत करके शुरुआती दौर में आपको करीब 15 हजार रुपये प्रति माह सैलरी मिल सकती है। सिंगर, म्यूजिक कम्पोजर की आय उसकी योग्यता और प्रोजेक्ट पर भी निर्भर करती है। प्ले बैक सिंगर या अलबम के लिए आप कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर काम कर खूब कमाई कर सकते हैं।

पहचाने टैलंट

भारतीय मनोरंजन उद्योग जितनी तेजी से प्रगति कर रहा है, उसे देखते हुए संगीत के क्षेत्र में कॅरियर की काफी अच्छी संभावनाएं बन रही हैं। सच तो यह है कि इन दिनों भारतीय संगीत उद्योग टॉप पर है, जिसकी गूंज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुनी जा रही है। आप भले ही नेचरल टैलन्ट के धनी हों, लेकिन बेहतर परफॉर्म करने के लिए संगीत की प्रॉपर ट्रेनिंग लेनी ही चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं, तो जरूर आपको अन्य कैंडिडेट्स की अपेक्षा ज्यादा चांसेस मिलेंगे। हां, यदि आप टेक्निकली फिट हैं, तो संगीत के क्षेत्र में आपके लिए रिकॉर्डिंग टेक्नीशियन, ऑडियो एडिटिंग जैसी तकनीकी फील्ड के दरवाजे भी खुले हुए हैं। सामान्यीकरण उचित नहीं यदि कोई क्लासिकल परफॉर्मर बनना चाहता है, तो उसे हर हाल में गुरु-शिष्य परंपरा से खुद को जोड़ना ही होगा। इसी तरह यदि कोई संगीत के एकेडेमिक क्षेत्र में जाना चाहता है, तो यह जरूरी है कि उसके पास संगीत से जुड़ी डिग्री भी हो।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कला केंद्र, दिल्ली
- गांधर्व महाविद्यालय, मुम्बई
- पटना यूनिवर्सिटी
- भातखंडे म्यूजिक स्कूल, दिल्ली
- इंदिरा कला संगीत वि.वि., म.प्र.
- म्यूजिक कॉलेज, अजमेर
- वनस्थली विद्यापीठ, , राजस्थान
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, बिहार
- बनारस यूनिवर्सिटी, यूपी

रेडियो जॉकी संभावना

गुड मॉर्निंग दिल्ली, मैं हूं आपकी हमसफर दोस्त, मैं हूं आपका दोस्त लव गुरूज्ये तमाम डायलॉग्स हैं, जिन्हें हम एफएम रेडियो पर रोज सुनतें हैं। यह आवाज रेडियो जॉकी की होती है। सुबह से लेकर देर रात तक अपनी मीठी, दमदार आवाज और हाजिरजवाबी से आपका एंटरटेनमेंट करने वाले रेडियो जॉकी किसी भी रेडियो चैनल का प्रमुख चेहरा होते हैं।

स्किल्स

अच्छी आवाज के साथ-साथ अपनी बातों से श्रोताओं को बांधे रखने की कला, प्रेजेंटेशन स्किल्स, हिंदी के साथ अंग्रेजी और दूसरी भाषाओं पर अच्छी पकड़।

कंटेंट राइटर

अगर आप अच्छे राइटर हैं, तो यह रेडियो में आपके कॅरियर के लिए प्लस प्वाइंट बन जाता है, क्योंकि प्रोग्राम के तहत राइटिंग सबसे इम्पॉर्टेंट काम माना जाता है।

एलिजिबिलिटी

12वीं के बाद रेडियो जॉकी में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा या मास कम्युनिकेशन में डिग्री या डिप्लोमा होना चाहिए।

ऑल इंडिया रेडियो में एंट्री

ऑल इंडिया रेडियो में न्यूज रीडर, रिपोर्टर, ट्रांसलेटर, प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव, ट्रांसमिशन एग्जीक्यूटिव, इंजीनियर्स आदि पदों पर भर्ती के लिए प्रसार भारती नोटिफिकेशन निकालती है।

इन चीजों को खाने से बिगड़ सकती है सेहत

जब खाना टेस्टी हो तो खाने वाले स्वाद में खो जाते हैं। वे ये भूल ही जाते हैं कि खाने के भी कुछ नियम होते हैं। यदि खाते समय कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान न रखा जाए तो सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए खाने में बैलेंस्ड डाइट की बात हमेशा कही जाती है। इसके साथ ही खाने के सही कॉम्बिनेशंस की जानकारी भी जरूरी है, यानी किन चीजों को एक साथ खाना चाहिए और किन चीजों को नहीं। आयुर्वेद में ऐसी कई चीजों का वर्णन मिलता है जिन्हें साथ खाना सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है।

दूध के साथ दही

दूध के साथ दही लेना सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। दरअसल, दूध और दही दोनों की तासीर अलग होती है। इन्हें साथ लेने पर पेट की समस्याएं हो सकती हैं।

चिकन के साथ मिठाई

चिकन के साथ जूस या मिठाई

आदि का शौक रखने वालों को भी इनके एक साथ सेवन से बचना चाहिएए क्योंकि इससे पेट खराब हो सकता है।

कोल्डड्रिंक के बाद पान मसाला

कोल्डड्रिंक पीने के बाद या पहले

कभी भी पिपरमेंट युक्त पान मसाला या किसी अन्य चीज सेवन नहीं करना चाहिए। कोल्डड्रिंक व पिपरमेंट को मिलाने पर साइनाइड बनता है जो कि जहर के समान काम करता है।

आलू और चावल

कई लोग आलू व चावल के

शौकीन होते हैं, लेकिन ऐसे लोगों को यह ध्यान रखना चाहिए कि इन दोनों को एक साथ न खाएं। इससे कब्ज की समस्या हो सकती है।

प्याज और दूध

प्याज और दूध को कभी एक साथ नहीं लेना चाहिए। दूध के सेवन से त्वचा रोग दाद, खाज, खुजली, एग्जिमा सोराईसिस आदि

ऑनलाइन मैरिज क्यों हो रही सफल

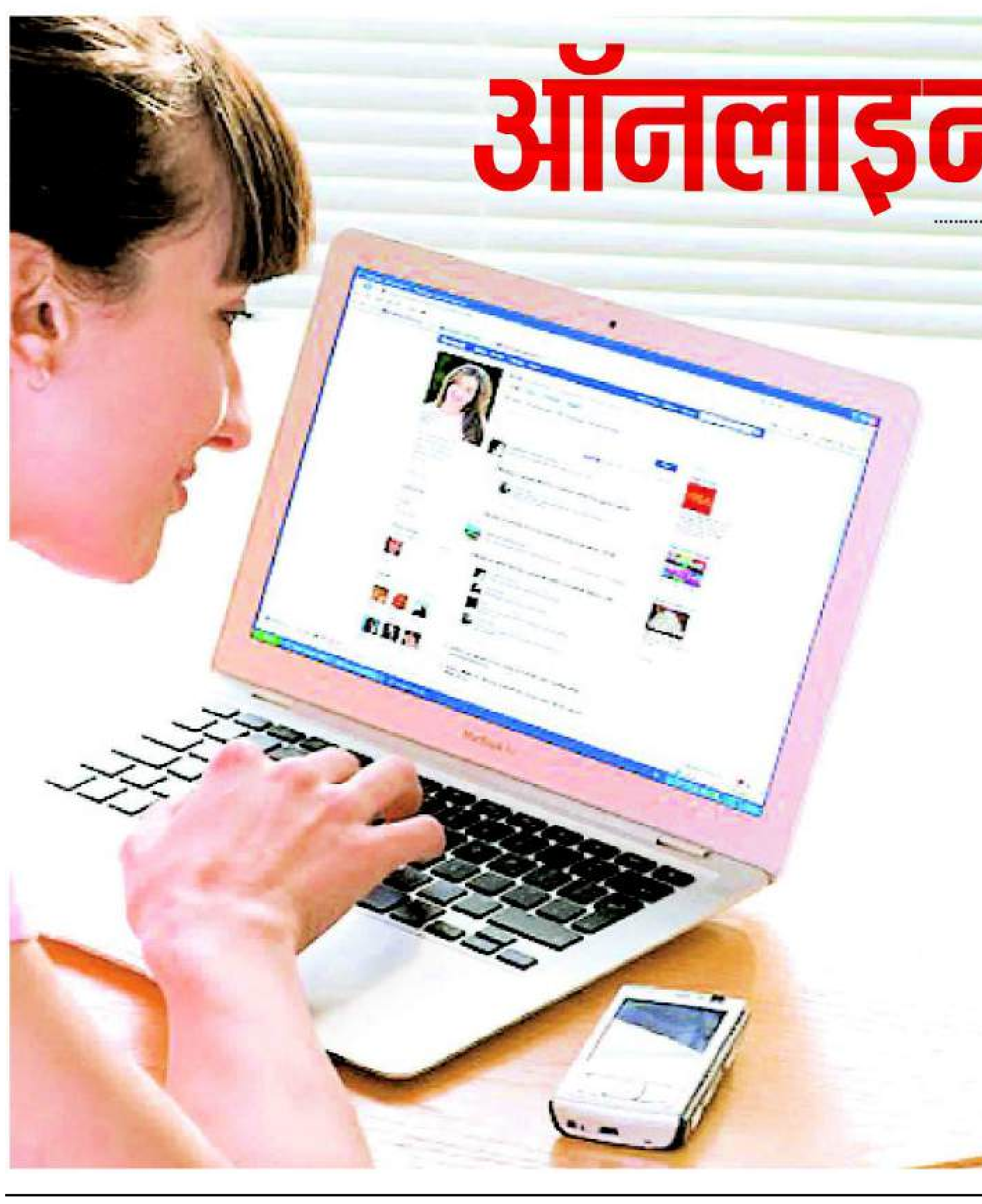

ऑनलाइन के बढ़ते क्रेज ने सिर्फ पढ़ाई और जॉब को ही आसान नहीं बनाया है, बल्कि इसने लाइफ को भी बहुत ही आसान बना दिया है।

फर्नीचर, कपड़ों से लेकर बाकी के घरेलू सामान को खरीदने के साथ ही अब जोड़ियां भी ऑनलाइन ही बनने लगी हैं। सबसे अच्छी बात है कि ये कामयाब भी हो रही हैं। मनमुताबिक पार्टनर मिलने से शादियां लंबे समय तक बरकरार भी रह रही हैं। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की रिसर्च से ये बात सामने आई है कि ऑनलाइन मैरिज ज्यादा सक्सेसफुल हो रहे हैं। इस सक्सेस के पीछे के कारणों के बारे में जानेंगे।

मनमुताबिक पार्टनर

ऑनलाइन मैरिज में पुरुष हो या महिलाए दोनों ही अपने मनमुताबिक पार्टनर की तलाश कर सकते हैं। ऐसे कई सारे ऑप्शन्स मौजूद हैं, जिनमें वो पार्टनर के संबंध में अपनी पसंद का ब्योरा दे सकते हैं। कद-काठी से लेकर, एजुकेशन, गोत्र, कम्युनिटी, फैमिली बैकग्राउंड आदि के बारे में जानकारियों का आदान-प्रदान कर सकते हैं, जिससे काफी हद तक पार्टनर की तलाश आसान हो जाती है। यहां तक कि खाने-पीने की आदतों में भी अपनी पसंद को खुलकर ऑनलाइन पर बताया जा सकता है।

जिम्मेदारियों का बंटवारा

ऑनलाइन मैरिज के वक्त ही ज्यादोतर कपल्स अपने आगे की लाइफ की प्लानिंग कर लेते हैं और साथ ही जिम्मेदारियों का बंटवारा भी। वर्किंग वुमन होने पर घर के कौन-कौन से काम करने होंगे और किन कामों की जिम्मेदारियां पुरुषों के हवाले होंगी, ये पहले ही तय हो जाती हैं, जो अरेंज मैरिज में कम ही देखी जाती हैं। अरेंज मैरिज ज्यादातर पुरुष प्रधान होता है। वह पैसे कमाने के अलावा घर की रोज-ब-रोज की जिम्मेदारियों से बिल्कुल फ्री होता है।

लड़ाइयां कम होती हैं

ऑनलाइन मैरिज में कपल्स की आदतों के साथ ही जरूरतें भी काफी हद तक मिलती-जुलती हैं, जिससे उनके बीच मन-मुटाव और लड़ाई-झगड़े की संभावना भी कम ही होती है। पर्सनैलिटी और एजुकेशन के बारे में पूरी जानकारी पहले से ही होती है, इसलिए झूठ बोलने और कुछ छिपाने जैसी भी कोई बात नहीं होती। ऑनलाइन मैरिज में फैमिली की इन्वॉल्वमेंट भी बहुत ज्यादा होती है।

लाइफ एन्जॉय करते हैं

बोरिंग लाइफ ऑनलाइन मैरिज में खत्म हो जाती है। एक जैसी चाहत रखने वाले महिला-पुरुष ज्यादातर खुश रहते हैं। कभी मूवी देख ली तो कभी कहीं घूमने चले गए। ऐसे कई सारे ऑप्शन्स उनके पास मौजूद होते हैं। खुलकर जिंदगी जीते हैं और ऐसी शादियां लंबे समय तक चलती भी हैंए क्योंकि इनमें लड़ाई करने के इश्यू लगभग न के ही बराबर होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**